कोटद्वार, शनिवार
3 अगस्त 2024
वर्षः 46
अंकः 100 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

नाबालिग से दुष्कर्म पर 10 साल की कैद

चमोली। विशेष सत्र न्यायालय की अदालत ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने और उसका अश्लील वीडियो वायरल करने के आरोपी को दोषी पाते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा का ऐलान किया है। साथ ही 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी अभियुक्त को देना होगा। अर्थदंड न अदा करने पर 6 माह का साधारण कारावास की अभियुक्त को भुगतनी होगी। विशेष लोक अभियोजक पोस्को मोहन पंत ने बताया विशेष सत्र न्यायाधीश चमोली धर्म सिंह ने गुरुवार को अभियुक्त को सजा सुनाई। विशेष लोक अभियोजक मोहन पंत ने बताया आरोपी के उपर नाबालिग से दुष्कर्म और उसका अश्लील वीडियो वायरल करने का आरोप था। आरोप था कि अभियुक्त 2019 में पीड़िता को जंगल में घुमाने ले गया। यहां अभियुक्त ने जबरदस्ती पीड़िता के अश्लील वीडियों बनाए। अश्लील वीडियों और फोटो के आधार पर पीड़िता को डरा धमका कर ब्लेकमेल कर उसके साथ बलात्कार किया। 15 जून 2021 को पीड़िता ने राजस्व क्षेत्र में आरोपी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के लिए तहरीर दी। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। बाद में मामला रेगुलर पुलिस को सोंपा गया। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 30 जुलाई 2021 को नन्दप्रयाग से गिरफ्तार किया गया। विवेचना के बाद पुलिस ने न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। घटना के समय पीड़िता की उम्र 16 वर्ष की थी। मामले में अभियोजन पक्ष द्वारा 6 गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

आपदा में राहत बचाव को हेलीकॉप्टर तैनात

देहरादून। जॉर्ज एवरेस्ट पार्क स्टेट मसूरी से उत्तराखंड के आपदा ग्रस्त क्षेत्रों में चल रहे बचाव अभियान में सहायता के लिए हिमालय दर्शन एयर सफारी ने हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। राजस एयरोस्पोर्ट्स एंड एडवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और एयर सफारी कंपनी के प्रमुख मनीष सैनी ने इसकी जानकारी दी। कहा कि उनकी टीम आपदा की इस घड़ी में सरकार के साथ पूरी तरह से खड़ी है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को एयर सफारी टीम ने अत्यधिक खराब मौसम की परिस्थितियों का सामना करते हुए लगभग 75 तीर्थयात्रियों को प्रभावित क्षेत्रों से सुरक्षित निकाला और तत्काल राहत और सुरक्षा प्रदान की।

फिलहाल नहीं खुलेगा शंभू बॉर्डर, सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने के दिए आदेश

नई दिल्ली , फिलहाल शंभू बॉर्डर खुलने के आसार नहीं दिख रहे। आज इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।?अदालत में हरियाणा की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए और उन्होंने अदालत से एक्सपर्ट का नाम फाइनल करने के लिए समय मांगा और सुनवाई टालने की अपील की। मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी। सुनवाई में कोर्ट ने फैसला दिया है कि शंभू बॉर्डर अभी नहीं खुलेगा। बॉर्डर पर यथास्थिति बनी रहेगी। मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी। शंभू बॉर्डर के खोलने संबंधी पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशों को हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने शंभू बॉर्डर को लेकर हरियाणा और पंजाब से दो टूक कह दिया है या तो दोनों राज्य राष्ट्र हित में किसानों के मुद्दे को सुलझाएं, ?वरना अदालत दखल देगी।?कोर्ट ने कहा– समाधान ही सीमा को खोलना है।?कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास कुछ अच्छे सुझाव हैं, मान लीजिए कि अगर कोई एम्बुलेंस या वरिष्ठ नागरिकों को लेकर कोई कार आ रही है तो वे पैदल नहीं जा सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोनों राज्य सरकारों को कहा कि हमारे सुझाव पर विचार करके हमें बताएं, फिलहाल शंभू बॉडर पर यथास्थिति बरकरार रहेगी।

रांची में अधिवक्ता की दिनदहाड़े चाकू से गोदकर हत्या, हमलावर फरार

रांची ,रांची के सुखदेव नगर इलाके में एक अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार दोपहर हुई इस वारदात की सूचना पाकर कोतवाली इलाके के डीएसपी सहित कई पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे। हत्या किसने की और इसकी वजह क्या है, यह फिलहाल पता नहीं चल पाया है। वारदात को लेकर रांची के अधिवक्ताओं में गुस्से का उबाल है। बताया गया है कि अधिवक्ता गोपाल कृष्ण सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के मधुकम स्थित अपने घर के पास एक दुकान में कागजात की जेरॉक्स कराने गए थे, तभी एक व्यक्ति ने उनके पेट, पीठ और सिर पर चाकू से कई वार किए।

बंगाल राशन वितरण घोटाला :

ईडी ने टीएमसी नेता और उसके भाई को किया गिरफ्तार

कोलकाता , प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाला मामले में तृणमूल कांग्रेस के एक नेता और उसके भाई को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा में तृणमूल कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष अनिसुर रहमान उर्फ बिदेश और उसके छोटे भाई अलिफ नूर उर्फ मुकुल के रूप में हुई है।

सम्मन किए जाने पर, दोनों गुरुवार दोपहर को पूछताछ के लिए साल्ट लेक स्थित केंद्र सरकार कार्यालय (सीजीओ) परिसर में ईडी के कार्यालय पहुंचे थे। सूत्रों ने बताया कि करीब 14 घंटे की लंबी पूछताछ के बाद, शुक्रवार को करीब 2.30 बजे ईडी अधिकारी ने दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को बाद में कोलकाता में पीएमएलए की एक विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि ईडी के वकील मामले में आगे की पूछताछ के लिए उनकी हिरासत की मांग करेंगे। इससे पहले मंगलवार को ईडी के अधिकारियों की एक टीम ने उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा सामुदायिक विकास खंड में बेराचम्पा में हाई टेक राइस मिल के कार्यालय में मैराथन छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था। ये दोनों बिदेश और मुकुल की मिलें है। उसी दिन, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों के साथ ईडी अधिकारियों की विभिन्न टीमों ने उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जिलों में नौ अन्य स्थानों पर मैराथन छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था।

पीएनबी के डिप्टी जोनल मैनेजर के खिलाफ जमानती वारंट जारी

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने पंजाब नेशनल बैंक हरिद्वार के तत्कालीन डिप्टी जोनल मैनेजर के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। साथ ही बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक सहित दोनों अधिकारियों को 20 अगस्त को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। रुड़की निवासी महिला ने कोर्ट के आदेश का पालन न करने पर पीएनबी के उच्चाधिकारियों के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई शुक्रवार को वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ में हुई।

रुड़की निवासी उमा अग्रवाल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि उन्होंने 2023 में पीएनबी की रुड़की कैंट शाखा से होम लोन लिया था। जिसकी किस्त समय वह तय समय से नहीं चुका सकी। जब उन्होंने किस्त जमा की तो बैंक ने उनके खाते को एनपीए कर दिया। ऐसे में उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उन्हें आदेश दिया था कि वो दस दिन के भीतर प्रथम किस्त के 8.25 लाख रुपये बैंक में जमा करें। साथ ही शेष धनराशि के सेटलमेंट के लिए बैंक में अपना प्रत्यावेदन भी दें। याचिकाकर्ता ने कोर्ट के आदेश का अनुपालन करते हुए उक्त धनराशि का बैंक ड्राफ्ट और प्रत्यावेदन बैंक को दिया, लेकिन बैंक ने कोर्ट के आदेश का अनुपालन न करते हुए बैंक ड्राफ्ट और प्रत्यावेदन उन्हें वापस कर दिया। ऐसे में उन्होंने पूर्व में बैंक के उच्च अधिकारियों के खिलाफ हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी।

हर ब्लॉक में 5-5 गांव बनेगें आदर्श ग्राम : धामी

20 लाख की लागत से बनेगें पंचायत भवन

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : गांवों के सुनियोजित विकास के लिए प्रत्येक विकासखण्ड में 5-5 गांवों को आदर्श ग्राम बनाने की दिशा में कार्य किये जाएं। देश के शीर्ष 100 आदर्श गांवों की श्रेणी में उत्तराखण्ड के 10 गांवों के नाम भी शामिल हों, इसके लिए गावों के समग्र विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किये जाएं। ग्राम चौपाल के आयोजन में शासन के वरिष्ठ अधिकारियों और जनपदों में जिलाधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जाए तथा ग्राम पंचायतों के प्रबुद्धजनों के साथ बैठकर गांवों की विकास योजनाओं पर कार्य किया जाए। ग्राम सभाओं के स्थापना दिवस उत्सव के रूप में मनाये जाए, इनमें उन गांवों के प्रवासी लोगों को प्रतिभाग करने के लिए विशेष रूप से प्रतिभागी बनाया जाए।

यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सचिवालय में पंचायती राज विभाग की समीक्षा के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि मानक तय कर पंचायत भवनों का निर्माण किया जाए। ग्राम पंचायतों में जो भी पंचायत भवन बनाये जा रहे हैं, वे पर्वतीय शैली में बनाये जाय, जिसमें उत्तराखण्ड की विरासत की झलक हो। पंचायत भवनों के लिए उचित स्थलों का चयन किया जाए, ताकि उनका ग्राम पंचायतों में पूर्णतः उपयोग हो सके। मुख्यमंत्री ने पंचायत भवनों के निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत की जा रही 10 लाख की धनराशि को बढ़ाकर 20 लाख रूपये करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गांवों में सड़क निर्माण के समय नालियां भी बनाई जाय, ताकि जल निकासी की समस्या न हो। ग्राम पंचायतों में ओपन जिम और पार्कों की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि सेना और अर्द्धसैन्य बलों के शहीदों के नाम पर उनके गांवों में द्वार, स्कूल और पंचायत भवनों के नाम रखे जाएं और गांवों में शिलापटों पर शहीदों के नाम अंकित करने की व्यवस्था बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि गांवों के विकास के लिए 15वें वित्त आयोग से राज्य को प्राप्त धनराशि का योजनाबद्ध तरीके से उपयोग किया जाए। स्वच्छता, कूड़ा निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि गांवों के विकास के लिए जो भी योजनाएं बनाई जाए, धरातल पर पहले उसका आंकलन किया जाए। सभी ग्राम पंचायतों में कम्प्यूटर और हाई स्पीड इन्टरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था की जाए। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि गांवों के विकास के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा दिया जाए। ग्राम पंचायतों में हो रहे कार्यों की वरिष्ठ अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने सभी पंचायतों की परिसम्पतियों की जी.आई.एस मैपिंग करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि मल्टी-लेवल पार्किंग के निर्माण से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि उनका उचित इस्तेमाल और देख-रेख हो।

कोरोना वैक्सीन पर कितना हुआ खर्च? केंद्र ने लोकसभा में बताया सारा लेखा–जोखा

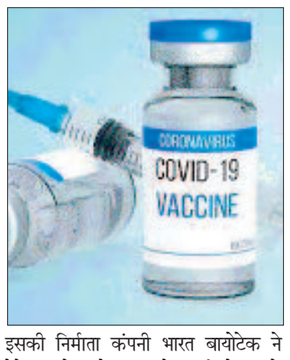

नई दिल्ली। देश की 130 करोड़ से अधिक की आबादी को जानलेवा वैश्विक महामारी कोविड–19 से सुरक्षित रखने में केंद्र सरकार के कोविड वैक्सीन कार्यक्रम का विशेष योगदान रहा है। इस साल 29 जुलाई तक सरकार ने लोगों को कोविड रोधक वैक्सीन के 220.68 करोड़ डोज बिना कोई शुल्क लिए लगाए गए हैं। इस वैक्सीन अभियान की निशुल्क आपूर्ति पर सरकार ने अब तक 36,397.65 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

99 देशों को दिया गया वैक्सीन

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने शुक्रवार को लोकसभा में बताया कि वैक्सीन मैत्री कार्यक्रम के तहत भारत सरकार ने 99 देशों और संयुक्त राष्ट्र के दो संगठनों को भी कुल 3012.465 लाख डोज भेजे हैं। देश में विभिन्न राज्यों में कोविड वैक्सीन का वितरण राज्य प्रशासन के अनुरूप था। एजेंसियों को वितरण के लिए 533.3 करोड़ रुपये डीबीटी व बिराक को दिए गए थे। उन्होंने कहा कि कोविड सुरक्षा मिशन के तहत 158.4 करोड़ रुपये दिए गए थे।

इसी तरह सरकार ने कोवैक्सीन का पेटेंट याचिका का हवाला देते हुए बताया कि इसकी निर्माता कंपनी भारत बायोटेक ने पेटेंट आवेदन में सह–खोजकर्ता के रूप में आईसीएमआर और एनआईवी का नाम नहीं दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बताया कि भारत निर्मित कोवैक्सीन को इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी और भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि. ने संयुक्त रूप से बनाया है। कोवैक्सीन के लिए भारत बायोटेक से आईसीएमआर को 172 करोड़ रुपये की रॉयल्टी मिली है।

पीएम मोदी 17 से अधिक अक्क्टर खोलने को प्रयासरत

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बताया कि केंद्र सरकार का एम्स की स्थापना पर पूरा जोर है। इस लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रत्येक हिस्से में 17 से अधिक एम्स खोलने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय एम्स एक रात में नहीं बनते। अंतरराष्ट्रीय मानकों को कायम रखते हुए इसे बनाने में 10–15 साल लग जाते हैं। यहां के डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं करते बल्कि यहां डॉक्टर 2437 मरीजों के इलाज में जुटे रहते हैं।

देश की आधी आबादी नहीं है फिट

इसके अलावा, नड्डा ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार शारीरिक फिटनेस में देश की आधी आबादी फिट नहीं है। इन सभी को चलने, दौड़ने और अन्य शारीरिक श्रम करने में परेशानी होती है।

27 जुलाई को लू लगने से 374 जाने गईं

स्वास्थ्य राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने बताया कि 374 लोगों की लू लगने से मौत हो गई। 27 जुलाई तक लू लगने के कुल 67,637 मामले सामने आए थे। उत्तर प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित हुआ था जहां लू लगने से 52 मौतें हुईं।

दिल्ली कोचिंग हादसे को लेकर हाईकोर्ट का आदेश, तीन छात्रों की मौत के मामले की जांच करेगी सीबीआई

नई दिल्ली , दिल्ली हाईकोर्ट ने ओल्ड राजेंद्र नजर स्थित राऊ आईएएस स्टडी सर्कल के बेसमेंट में तीन छात्रों की मौत के मामले में शुक्रवार को सीबीआई जांच के आदेश दे दिए। हाईकोर्ट ने कहा है कि सेंट्रल विजिलेंस कमीशन की निगरानी में सीबीआई इस मामले की जांच करेगी। दिल्ली नगर निगम कमिश्नर ने सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट को बताया कि इलाके में बरसाती पानी की निकासी की व्यवस्था ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर निवासियों और दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है, जिसके चलते बरसाती पानी की निकासी में दिक्कत होती है।

नगर निगम कमिश्नर ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि इलाके में अवैध निर्माण और अनधिकृत अतिक्रमण को तुरंत हटाया जाएगा और एमसीडी के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में सीबीआई जांच के आदेश देने के साथ ही दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली नगर निगम को बरसाती पानी की निकासी की व्यवस्था में सुधार करने के लिए कहा है।

बदरीनाथ हाइवे नंदप्रयाग के पास आया मलबा

10 घंटे से ज्यादा हाईवे बाधित– 39 गांव के लिंक रोड बंद

गोपेश्वर। चमोली जनपद में हो रात्रि को हो रही आए दिन वर्षा आफत का सबब बना हुआ है। रात्रि वर्षा के चलते बदरीनाथ हाइवे जगह जगह बाधित होने के चलते तीर्थयात्रियों के साथ साथ आमजन को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालांकि दोपहर बाद हाइवे सुचारु होने से यात्रियों ने राहत की सांस ली है।

वाहनों की आवाजाही ठप

चमोली जिले में गुरुवार की रात्रि को हुई वर्षा से बदरीनाथ हाइवे तड़के सुबह गुलाबकोटी,कमेड़ा,नंदप्रयाग के पास पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा व बोल्डर आने से हाइवे पर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। इस दौरान हाइवे के दोनों ओर तीर्थयात्रियों के वाहनों की लंबी कतारे लग गई।

बदरीनाथ हाइवे छिनका के पास 10:46 पर हाइवे पर मलबा आने से अवरुद्ध हो गया था जिसे 11:40 पर यातायात के लिए सुचारु किया गया। जबकि अन्य जगह पर बाधित हाइवे को खोलने में सुबह से एनएच जुटा हुआ था जिसके बाद कमेडा 9:46 मिनट ,गुलाबकोटी 9: 20 व नंदप्रयाग के पास डेढ बजे हाइवे को यातायात के लिए सुचारु किया गया।

दो स्थानों पर बादल फटने से भूस्खलन

केदारनाथ पैदल मार्ग पर लिनचोली और भीमबली के बीच दो स्थानों पर बादल फटने से भूस्खलन हो गया था। इससे पैदल मार्ग कई जगह ध्वस्त हो गया। मंदाकिनी नदी के तेज बहाव में रामबाड़ा के दो पुल बह गए। एक गोदाम और गौरीकुंड में चार ढाबे भी बहे हैं। पैदल यात्रा मार्ग पर स्थानीय लोग इन दिनों कारोबार करते हैं।

आशंका जताई जा रही है कि लापता लोग इन्हीं में से हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर कोई भी इसकी पुष्टि नहीं कर रहा। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि लोगों से मिली सूचना के आधार पर दिनभर खोजबीन की गई, मगर अब तक किसी का पता नहीं चला है।इस बीच केदारनाथ हाईवे और पैदल मार्ग ध्वस्त होने से केदारनाथ यात्रा गुरुवार को स्थगित रही। दिनभर में विभिन्न पड़ावों पर फंसे 4,000 से अधिक तीर्थ यात्रियों को एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व पुलिस ने निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इनमें 700 तीर्थयात्री हेलीकाप्टर से रेस्क्यू किए गए।

चक्रव्यूह वाले भाषण के बाद ईडी मेरे ऊपर रेड की तैयारी में

● बांहें खोलकर इंतजार कर रहा हूं, राहुल गांधी का बड़ा दावा

नई दिल्ली , लोकसभा में विपक्ष में नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बड़ा दावा किया है। राहुल गांधी ने कहा कि उनके ऊपर ईडी छापा मारने की तैयारी कर रही है। उन्होंने इसके पीछे का कारण भी बताया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में दावा करते हुए कहा कि मैंने जो संसद में चक्रव्यूह वाला भाषण दिया उसके बाद मेरे खिलाफ तैयारी हो रही है। राहुल ने बजट 2024 को लेकर अपने भाषण में भाजपा के 21वीं सदी के चक्रव्यूह का जिक्रकिया था। राहुल ने कहा कि मैंने जो संसद में भाषण दिया था उसके कारण 2 इन 1 को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा और ईडी के अंदरूनी सूत्र ने मुझे बताया है कि इसी कारण रेड की प्लानिंग की जा रही है। राहुल ने इसी के साथ ईडी को टैग करते हुए लिखा, ह्यचाय और बिस्किट मेरी तरफ से, आपका खुली बाहों से स्वागत है। राहुल ने बजट पर दिए अपने भाषण में महाभारत का जिक्र करते हुए चक्रव्यूह की बात की थी। उन्होंने कहा था कि जैसे उस काल में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में 6 लोगों ने फंसाया था। उसी तरह 21वीं सदी में भी ऐसा ही चक्रव्यूह भारत के खिलाफ रचा जा रहा है और उसमें युवाओं, किसानों, महिलाओं और छोटे किसानों को फंसाया जा रहा है।

जाको राखे साईंया मार सके ना कोय... 98 घंटे बाद मलबे से जिंदा मिले चार लोग

वायनाड ,जाको राखे साईंया मार सके ना कोय... यह कहावत उस समय बिल्कुल सही साबित हुई, जब केरल के वायनाड में मलबे से चार दिन बाद चार लोग जिंदा मिले। इनमें दो महिलाएं और दो पुरुष हैं। बता दें कि इस हादसे अब तक 308 लोगों की मौत हो चुकी है। रेस्क्यू में जुटे बचावकर्मियों को अब तक 195 शव ही मिले हैं। इसके अलावा 105 लोगों के शव का कोई न कोई हिस्सा बरामद हुआ है, जिससे उनकी मौत कंफर्म हुई है। बता दें कि सेना, नेवी और एयरफोर्स के साथ बचावकर्मियों की 40 टीमें लोगों के रेस्क्यू में जुटे हुए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन को प्रभावी बनाने के लिए सर्च क्षेत्र को 6 अलग–अलग भागों में बांटने की बात चल रही है। भारतीय वायुसेना हिंडन एयर बेस से वायनाड के लिए जल्द सी–130 विमान उड़ाने जा रही है। यह विशेष ड्रोन सिस्टम के साथ–साथ विशेषज्ञों की टीम को वायनाड ले जाएगा, ताकी मिट्टी के नीचे फंसे लोगों की निगरानी की जा सके।

चुनावी बॉन्ड योजना की नहीं होगी एसआईटी जांच, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली , सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड (ईबी) का उपयोग कर चुनावी वित्तपोषण में कथित घोटाले की न्यायिक निगरानी में एसआईटी से जांच कराने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। शीर्ष अदालत ने 15 फरवरी को इस योजना को असंवैधानिक ठहराया था और इसे रद्द कर दिया था। दो गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) में राजनीतिक दलों, निगमों और जांच एजेंसियों के बीच स्पष्ट लेन–देन का आरोप लगाया गया है। याचिका में चुनावी बॉन्ड योजना को घोटाला करार दिया गया, जिसके तहत अधिकारियों को शेल कंपनियों और घाटे में चल रही कंपनियों के वित्तपोषण के स्रोत की जांच करने का निर्देश देने की मांग की गई थी, जिन्होंने विभिन्न राजनीतिक दलों को दान दिया था, जैसा कि चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को चुनावी बॉन्ड योजना को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया था। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा था कि गुमनाम चुनावी बॉन्ड योजना अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। न्यायालय ने कहा था कि राजनीतिक दल चुनावी प्रक्रिया में प्रासंगिक इकाई हैं और चुनावी विकल्पों के लिए राजनीतिक दलों के वित्तपोषण के बारे में जानकारी आवश्यक है। दायर की गई याचिका में कहा गया है कि चुनावी बॉन्ड घोटाले में 2जी घोटाले या कोयला घोटाले के विपरीत धन का लेन–देन होता है, जहां स्पेक्ट्रम और कोयला खनन पट्टों का आवंटन मनमाने ढंग से किया गया था, लेकिन धन के लेन–देन का कोई सबूत नहीं था। फिर भी इस अदालत ने उन दोनों मामलों में अदालत की निगरानी में जांच का आदेश दिया, विशेष सरकारी अभियोजकों को नियुक्त किया और उन मामलों से निपटने के लिए विशेष अदालतें बनाईं। चुनावी बॉन्ड 2018 में पेश किए गए थे और राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद दान के विकल्प के रूप में पेश किए गए थे। याचिका में आरोप लगाया गया है कि एजेंसियों द्वारा जांच के दायरे में आने वाली कई फर्मों ने संभावित रूप से जांच के परिणाम को प्रभावित करने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी को बड़ी रकम दान की है।

दिल्ली में फिर मिली स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, देर रात आया ई–मेल, प्रशासन में मचा हडकंप

नई दिल्ली , ईस्ट ऑफ कैलाश के समर फील्ड स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी एक ईमेल के जरिए स्कूल को भेजी गई। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना के बाद एंबुलेंस, बम डिफ्यूज स्कवाड की टीम मौके पर पहुंची एहतियात के तौर पर पुलिस ने स्कूल को खाली कराया। इसके बाद एंबुलेंस, बम डिफ्यूज स्कवाड सहित अन्य टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की जांच में स्कूल के अंदर कुछ नहीं मिला।

समर फील्ड्स स्कूल की प्रिंसिपल शालिनी अग्रवाल ने बताया हमें देर रात एक ईमेल मिला, जिसे आज सुबह चेक किया गया। एसओपी के अनुसार, हमने ईमेल प्राप्त होने के 10 मिनट के भीतर छात्रों को निकाल लिया। हमने पुलिस और जिला प्रशासन को सूचित किया।

हम पुलिस के आभारी हैं कि उन्होंने हमारा भरपूर समर्थन किया क्योंकि वे तुरंत आ गए। यहां शायद ही कोई छात्र है, हम बस कुछ अभिभावकों के आने और अपने बच्चों को लेने का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस और बम निरोधक दस्ता यहां मौजूद है और वे जांच कर रहे हैं परिसर अभिभावकों के बीच बिल्कुल भी घबराहट नहीं थी।

मई में भी 150 स्कूलों को बम की मिली थी झूठी धमकी

बता दें इससे पहले मई महीने में राजधानी और पड़ोसी नोएडा (हशद्वस्त्रड्ड हद्ग2ह्य) के कम से कम 150 स्कूलों को बम की झूठी धमकी मिलने के बाद दिल्ली सरकार ने बुधवार को स्कूलों को एक परामर्श जारी कर उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि उनके आधिकारिक आईडी पर प्राप्त ई–मेल को समय से देख लिया जाए।

बिहार में डेंगू के मरीजों की बढ़ रही संख्या, हॉट स्पॉट पर कड़ी नजर

पटना , बिहार की राजधानी पटना सहित कई अन्य जिलों में बारिश के मौसम में डेंगू मरीजों की संख्या बढने लगी है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी और एंटी लार्वा के छिडक़ाव का दावा कर रहा है। नगर निगम की टीम को भी छिडक़ाव के लिए लगाया गया है। बताया जाता है कि गुरुवार तक प्रदेश में इस साल 299 लोग डेंगू से पीड़ित हो चुके हैं, इनमें पटना के 99 लोग शामिल हैं। आंकड़ो की मानें तो गुरुवार को प्रदेश में 24 डेंगू पीड़ित नए मरीजों की पहचान हुई है। ये मरीज पटना के पाटलिपुत्र, बांकीपुर, पटना सिटी, अजिमाबाद, कंकड़बाग और संपतचक मोहल्ले में मिले हैं। इसके अलावा गया, मुजफ्फरपुर, नालंदा, वैशाली, सारण, खगडिय़ा और नवादा में भी मरीजों के मिलने की सूचना है। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि पटना के जो इलाके पिछले सालों में डेंगू के लिए हॉट स्पॉट बने हुए थे, इस सीजन में उन इलाकों पर विशेष नजर रखी जा रही है। मच्छरों के लार्वा की जांच करने के लिए आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया है।

एंटी करप्शन ब्यूरो की कार्रवाई

अहमदाबाद नगर निगम के दो अधिकारियों को घूस लेते किया गिरफ्तार

अहमदाबाद , गुजरात में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के दो रिश्वतखोर अधिकारियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। शिकायत के आधार पर एसीबी ने छापा मार कर इन दोनों में से एक के घर से लाखों रुपए बरामद किए। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने अहमदाबाद नगर निगम के असिस्टेंट टाउन प्लानर हर्षद भोजक और इंजीनियर आशीष पटेल को 20 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा एसीबी को फ्री हैंड दिए जाने के बाद की गई है, जिससे एसीबी ने रिश्वतखोर अफसरों और कर्मचारियों के खिलाफ अपनी सक्रियता और बढ़ा दी है। एसीबी ने रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने के बाद हर्षद भोजक के आवास पर भी छापेमारी की। हर्षद भोजक के घर से 73 लाख रुपये नकद और 4.50 लाख रुपये का सोना जब्त किया। यह एसीबी की ओर से की गई एक बड़ी कार्रवाई है, जिसमें बड़ी मात्रा में अवैध धन और संपत्ति का खुलासा हुआ है। बता दें, गुजरात में एसीबी की कमान हरियाणा के तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी डॉ. शमशेर सिंह के पास है, जो राज्य के डीजीपी लॉ एंड ऑर्डर भी हैं। राज्य सरकार ने उन्हें दूसरी बार एंटी करप्शन ब्यूरो की जिम्मेदारी सौंपी है। इससे पहले भी उन्होंने भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर कड़ा संदेश दिया था। इससे पहले भी एसीबी ने राजकोट अग्निकांड में नगर निगम के टीपीओ की करोड़ों की अवैध संपत्ति का खुलासा किया था।

संपादकीय

उद्दंडियों का हो चिन्हीकरण

एक महीने की कावड़ यात्रा संपन्न हो चुकी है और इसके लिए अलग–अलग राज्य अपनी पीठ ठोक रहे हैं। उत्तराखंड सरकार ने तो बाकायदा कावड़ियों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया था तो वही उत्तर प्रदेश में कावड़ियों के मार्ग पर सार्वजनिक आवागमन को बंद कर दिया था। सुरक्षा की दृष्टि से यह जरूरी था लेकिन सुरक्षा का एक विषय उन आम लोगों के लिए भी था जो कांवड़ के दौरान अपने कार्यों के लिए जा रहे थे। अपनी यात्रा के दौरान छोटी सी गलती पर कुछ कांवड़ियों ने जो रूद्र रूप दिखाया उसका कड़वा अनुभव ऐसे ना जाने कितने ही लोग पूरी जिंदगी भर नहीं भूल पाएंगे। कांवड़िए अक्सर बेलगाम होते देखे गए हैं और उनकी हरकतों के आगे राज्य पुलिस और सुरक्षा तंत्र बेबसी नजर आया है। कावड़ियों का भय इस प्रकार से सिर चढ़कर बोलता है कि मार्ग की अधिकांश दुकानें बंद हो जाती है तो सड़क पर चलने वाले इसी खौफ में रहते हैं कि यदि छोटी सी भी घटना हो गई तो उनके साथ न जाने क्या सुलूक किया जाएगा? जरूरी है अब कांवड़ियों के लिए सरकार को भी एक सख्त कानून बनना चाहिए या फिर ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि जिस मार्ग पर भी कांवरिया गुजरे वहां या तो मोबाइल टीम में हमेशा गश्त करें और तोड़फोड़ की अवस्था में तत्काल कार्रवाई की जाए। यदि सुरक्षा बल के लिए भीड़ को नियंत्रित करना संभव न हो तो घटना के बाद शामिल उपद्रवियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए कार्रवाई करनी चाहिए। भीड़ में खुद को कानून और संविधान से ऊपर समझने वाले लोगों के लिए सख्त दंड का प्रावधान होना चाहिए, खास तौर से सरकारी और निजी वाहनों को निशाना बनाने वालों से ही इसकी भरपाई भी की जानी चाहिए। जब तक राज्य सरकारें अपने क्षेत्र में इस प्रकार की घटनाओं के बाद चीनी कारण की कार्रवाई नहीं करेगी तब तक हर कावड़ यात्रा में ऐसे दृश्य नजर आते रहेंगे। राज्य सरकारों के लिए इन कांवड़ियों को चिन्हित करना कोई मुश्किल कार्य नहीं है, खासतौर से सोशल मीडिया के आज के युग में जब किसी भी व्यक्ति की भी पहचान करना कोई दुर्लभ कार्य नहीं है। एक बार यदि राज्य सरकार है अपने क्षेत्र में उपद्रव करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना शुरू करेगी तो निश्चित तौर पर भविष्य की यात्रा में इस प्रकार की हरकतें काम हो जाएगी। सबसे जरूरी यह है कि एक बार कदम उठाया जाए ताकि कावड़ यात्रा के दौरान सड़क पर चलने वाले दूसरे लोगों की सुरक्षा की भी परवाह हो सके। कुछ मुट्ठी भर कांवड़ियों के किस प्रकार के आचरण के कारण पूरे धर्म को टारगेट बनाया जाता है, करोड़ों की भीड़ में चंद मुट्ठी भर लोग एक पूरे आयोजन को सवालों में खड़ा कर देते हैं। जब तक दंड का प्रावधान और कानून का डर नहीं होगा तब तक कुछ भी सुधरने वाला नहीं है।

लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं राजनीतिक टकराव

राज कुमार

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मोदी बनाम राहुल का जो टकराव नजर आया था, वह बजट सत्र में और तीखा होता दिख रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण के बीच मंत्रियों द्वारा टोकाटाकी और प्रधानमंत्री के जवाब के बीच विपक्ष की लगातार नारेबाजी को उचित नहीं माना जा सकता। ऐसा लगता है कि संसदीय परंपरा और मर्यादा अब बीते जमाने की बातें बन कर रह गयी हैं। इसलिए आश्चर्य नहीं कि हम बजट सत्र में भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच उसी टकरावपूर्ण व्यवहार का विस्तार देख रहे हैं। कोई भी यह स्वीकारने को तैयार नहीं कि संसद देश के हित में काम करने के लिए है, न कि दलगत राजनीति का अखाड़ा बनाने के लिए। ऐसा पहली बार नहीं है कि सत्तापक्ष अपने बजट को सर्वांगीण विकास का दस्तावेज बता रहा है, तो विपक्ष उसे दिशाहीन कह रहा है, पर बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष सहायता की घोषणाओं ने बजट को राजनीतिक 'एंगल' दे दिया है।

संसद के बजट सत्र की हंगामेदार शुरुआत ने इन आशंकाओं को सही साबित कर दिया है कि 18वीं लोकसभा और तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार की डगर आसान नहीं होगी। संसद के अंदर और बाहर सरकार को कठघरे में खड़ा करने का कोई मौका विपक्ष नहीं छोड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा न मानें, लेकिन बहुमत के आंकड़े से पीछे रह जाने और तेलुगु देशम, जदयू और लोजपा जैसे सहयोगी दलों पर निर्भरता का असर साफ दिख रहा है। विशेष सत्र में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' हर मौके पर सरकार पर हमलावर रहा। दस साल बाद संसद में ऐसा नजारा दिखा। ध्यान रहे, दस साल बाद ही विपक्ष को राहुल गांधी के रूप में नेता प्रतिपक्ष मिला है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मोदी बनाम राहुल का जो टकराव नजर आया था, वह बजट सत्र में और तीखा होता दिख रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण के बीच मंत्रियों द्वारा टोकाटाकी और प्रधानमंत्री के जवाब के बीच विपक्ष की लगातार नारेबाजी को उचित नहीं माना जा सकता। ऐसा लगता है कि संसदीय परंपरा और मर्यादा अब बीते जमाने की बातें बन कर रह गयी हैं। इसलिए आश्चर्य नहीं कि हम बजट सत्र में भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच उसी टकरावपूर्ण व्यवहार का विस्तार देख रहे हैं।

कोई भी यह स्वीकारने को तैयार नहीं कि संसद देश के हित में काम करने के लिए है, न कि दलगत राजनीति का अखाड़ा बनाने के लिए। ऐसा पहली बार नहीं है कि सत्तापक्ष अपने बजट को सर्वांगीण विकास का दस्तावेज बता रहा है, तो विपक्ष उसे दिशाहीन कह रहा है, पर बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष सहायता की घोषणाओं ने बजट को राजनीतिक 'एंगल' दे दिया है। विपक्ष ने इसे 'कुर्सी बचाओ बजट' करार दिया है। मोदी सरकार तेलुगू देशम और जदयू के समर्थन पर टिकी है। आंध्र प्रदेश और बिहार लंबे समय से विशेष राज्य का दर्जा और विशेष पैकेज मांगते रहे हैं। चंद्रबाबू नायडू इसी मांग पर 2018 में राजग छोड़ कर विपक्ष के खेमे में चले गये थे। नीतीश कुमार भी अलग–अलग मुद्दों पर कई बार पाला बदल चुके हैं। दोनों जब राजग में लौटे, तो राजनीतिक जरूरतों के अलावा विशेष आर्थिक मदद की उम्मीद भी बड़ा कारण रही।

मौजूदा प्रावधानों के मुताबिक बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया जा सकता। मोदी सरकार ने पहले ही यह संदेश दे दिया था, फिर भी बजट में बिहार और आंध्र प्रदेश को कई मदों में लगभग एक लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता का ऐलान बताता है कि दबाव में और सत्ता की खातिर यह रास्ता निकाला गया है। इसके लिए कहीं–न–कहीं बड़ी कटौतियां भी की गयी होंगी। राज्य सभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आरोप पर वित्त मंत्री ने सफाई अवश्य दी कि बजट भाषण में नाम न लेने का यह अर्थ हरगिज नहीं कि अन्य राज्यों को कुछ नहीं दिया गया, पर विपक्ष संतुष्ट नहीं हुआ।

विपक्ष बजट को अन्य, खासकर गैर–राजग शासित राज्यों के साथ अन्याय और संघीय ढांचे के विरुद्ध बता रहा है। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल को केंद्रीय मदद पर श्वेत पत्र की मांग कर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की। नोटबंदी और प्रधानमंत्री का उल्लेख करने पर स्पीकर ओम बिड़ला द्वारा टोके जाने पर उन्होंने जिस तरह उन्हें निष्पक्षता की याद दिलायी, उससे तो साफ हो गया कि उनके लिए भी सदन चला पाना आसान नहीं होगा। अभिषेक से पहले राहुल गांधी और अखिलेश यादव भी अपने–अपने अंदाज में स्पीकर की सर्वोच्चता और निष्पक्षता की ओर इशारा कर निशाना साध चुके हैं।

पिछली लोकसभा में रिकॉर्ड संख्या में विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बढ़ते टकराव का असर बजट के पारित होने पर शायद न भी पड़े, लेकिन संसद की कार्यवाही पर पड़ना तय है। संसदीय लोकतंत्र में विश्वास करने वालों के लिए यह चिंता का विषय होना चाहिए। राज्यसभा में सत्ता पक्ष की घटती संख्या के मद्देनजर ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की बीजू जनता दल और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी की विपक्षी गठबंधन से बढ़ती नजदीकियां भी मोदी सरकार की मुश्किलें बढ़ने का ही संकेत हैं। पिछले कार्यकाल में इन दलों ने कई मुश्किल मौकों पर राज्यसभा में मोदी सरकार की नैया पार लगवायी थी।

बजट सत्र के बीच ही नीति आयोग की बैठक को ले कर भी सत्तापक्ष और विपक्ष में सीधा टकराव नजर आया। नीति आयोग की 27 जुलाई को हुई बैठक में दस राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भाग नहीं लिया। इनमें बिहार के नीतीश कुमार और पुदुचेरी के एन रंगासामी के अलावा सभी गैर–राजग दलों के मुख्यमंत्री हैं। विपक्षी खेमे से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ही बैठक में पहुंचीं, लेकिन पांच मिनट बाद ही माइक बंद कर दिये जोन का आरोप लगाते हुए बाहर निकल आयीं। नीति आयोग ने हर मुख्यमंत्री के लिए समय आवंटन का स्पष्टीकरण दिया है, लेकिन इस विवाद से सत्ता पक्ष और विपक्ष में टकराव बढ़ेगा ही।

तीन छात्रों की अकल्पनीय मृत्यु दुखद

अवधेश कुमार

दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर में तीन छात्रों की अकल्पनीय दुखद मृत्यु हर चिंतनशील व्यक्ति को अंदर से हिलाने वाली है। निश्चित रूप से कोचिंग करने आए उन तीन दुर्भाग्यशाली छात्रों का कोई दोष नहीं है।राव आईएएस स्टडी सर्किल सिविल सेवा के कोचिंग की दृष्टि से सम्मानित नाम है। हालांकि पिछले ढाई दशकों में कई और ऐसे कोचिंग संस्थान खड़े हो गए हैं जिनका सम्मान और साख अभ्यर्थियों की दृष्टि में राव'स के लगभग बराबर ही है।कल्पना करिए, अगर इतनी पुरानी और सम्मानित संस्था की आधारभूत संरचना ऐसी है तो अन्य संस्थाओं की कैसी स्थिति होगी? इस घटना के बारे में जानकारी इतनी ही है कि ओल्ड राजेंद्र नगर में बारिश का पानी सड़कों पर भर गया जो दुकानों–मकानों में घुसने लगा और बड़ी गाड़ियों के यूटर्न लेने से कुछ मिनट के लिए पानी इतनी तेजी से आया कि स्टडी सर्किल के बेसमेंट में लगे शीशे के दरवाजे टूट गए और मिनट भर में अंदर पानी भर गया।कुछ सौभाग्यशाली छात्र बच के निकल गए। तीन नहीं निकल सके। इसे सामान्य दृष्टि से भी विश्लेषित करें तो नालियों, सड़कों पर जल जमाव के बीच यातायात की व्यवस्था, व्यावसायिक स्थलों के बचाव तथा भवन निर्माण में ऐसी, सुरक्षित दरवाजे आदि के पहलू सामने आएंगे। इसके लिए कितने विभाग और लोग अपराधी दिखाई देते हैं, बताने की आवश्यकता नहीं। कह सकते हैं कि जब बारिश काफी तेज हो तो एकाएक पानी का निकास संभव नहीं होता। तो क्या इस आधार पर ऐसी भयावह घटना को स्वाभाविक माना जा सकता है?दिल्ली के उपराज्यपाल का बयान है कि दोषी बख्से नहीं जाएंगे। यह सामान्य सा बयान है। कौन–कौन दोषी हैं, इसकी पहचान अपने आपमें बड़ा प्रश्न होता है। घटना बिल्कुल ताजी है, देश भर का ध्यान है, लोगों में आक्रोश है तो ऐसे समय कार्रवाई होती है। इसके बाद न्यायालय की लड़ाई, साथ ही साथ पूरी स्थिति की समीक्षा और फिर भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं हो, इसके सुरक्षोपाय हमारे समाज और सत्ता प्रतिष्ठान के चरित्र में बहुत कम परिमाण में दिखते हैं। कोचिंग सेंटर को सील कर दिया गया है। क्या सड़क के उस स्थान को भी सील किया जा सकता है जहां से पानी का तेज झोंका अंदर आया? क्या उन गाड़ियों की पहचान कर दंडित किया जा सकता है जिन्होंने ड्राइविंग मानकों का उल्लंघन कर गलत तरीके से यूटर्न लिया और घटना घटा दी? क्या उस व्यावसायिक क्षेत्र के निर्माण की अनुमति और पूर्णता का सर्टिफिकेट देने वाले सारे लोगों की पहचान संभव है? इसी तरह युवाओं के कॅरियर बनाने के नाम पर चारों तरफ दिख रहे कोचिंग सेंटरों में से कम से कम बड़े नामों की भी क्या एक बार संपूर्ण जांच संभव है? इन प्रश्नों के उत्तर हम आप अच्छी तरह जानते हैं।

किसी समस्या को उसकी संपूर्णता में देखने और दुरगामी सोच से स्थायी समाधान की दिशा में बढने की आवश्यकता होती है। हमने अपनी पूरी शैक्षणिक–सामाजिक–आर्थिक व्यवस्था को इस स्थिति में पहुंचा दिया है जहां से लगता ही नहीं कि इसकी संभावना बची है। नगरों में निर्माण और उसके संचालन का मुद्दा यहां शीर्ष पर दिखता है। इसके परे देखें तो क्या शिक्षा के लिए इस तरह के कोचिंग सेंटरों की वाकई आवश्यकता है? दिल्ली ही नहीं पूरे देश में शायद ही कोई ऐसा शहर और कस्बा होगा जहां परीक्षाओं की तैयारी के नाम पर छोटे–बड़े कोचिंग सेंटर न हों। आम प्रतिक्रिया यही होती है कि सरकारी विद्यालयों, महाविद्यालयों में अध्ययन–अध्यापन की स्थिति इतनी कमजोर है कि अगर छात्र अतिरिक्त कोचिंग में न जाएं तो उनके लिए वर्तमान प्रतिस्पर्धा के दौर में सफल होना मुश्किल है। प्रश्न उठता है कि आखिर, हमारा शिक्षा ढांचा इतना लाचार क्यों हो गया? शिक्षा किसी समाज और राष्ट्र का मूल है। जैसी शिक्षा वैसे ही देश और समाज का निर्माण। जिन लोगों ने इस बात पर गहराई से विचार किया कि हमारा देश कभी विश्व के लिए आकर्षण का केंद्र था तो उसकी शिक्षा व्यवस्था कैसी थी, उन्हें इसका उत्तर मिला।

एक–दूसरे की संस्कृति को दें सम्मान

डॉ संजीव

लोगों के प्रतिरोध और मीडिया के हस्तक्षेप के बाद उन्हें अपने बेटे के साथ फिल्म देखने की इजाजत मिली। आजादी के आंदोलन को देखें, तो गांधी जी से लेकर राजेंद्र प्रसाद तक तमाम नेता धोती पहने दीखते हैं। हमारे अनेक प्रधानमंत्री और कई वरिष्ठ नेता प्रायः धोती पहनते रहे हैं। वैसे अब राजनीति में भी नियमित धोती पहनने वाले कम हो चले हैं। जैसे–जैसे शहरीकरण बढ़ रहा है, धोती प्रचलन से बाहर हो रहा है।

कर्नाटक के एक किसान के कारण धोती चर्चा में है। इस विवाद के कारण एक मॉल को सरकार ने एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया। बेंगलुरु के उस मॉल में धोती पहने एक किसान फकीरप्पा को फिल्म हॉल में जाने से रोक दिया गया था। लोगों के प्रतिरोध और मीडिया के हस्तक्षेप के बाद उन्हें अपने बेटे के साथ फिल्म देखने की इजाजत मिली। आजादी के आंदोलन को देखें, तो गांधी जी से लेकर राजेंद्र प्रसाद तक तमाम नेता धोती पहने दीखते हैं। हमारे अनेक प्रधानमंत्री और कई वरिष्ठ नेता प्रायः धोती पहनते रहे हैं।वैसे अब राजनीति में भी नियमित धोती पहनने वाले कम हो चले हैं। जैसे–जैसे शहरीकरण बढ़ रहा है, धोती प्रचलन से बाहर हो रहा है। दरअसल, जब हम किसी दूसरे सांस्कृतिक क्षेत्र में प्रवेश करते हैं, तो हम भाषा के साथ कुछ व्यवहार भी अपनाते हैं। कई बार हम अंग्रेजी भाषा के वर्चस्व के नाते कुछ विशेष कौशलों को अधिक महत्व देते हैं। 'सनलाइट ऑन द गार्डन' किताब में प्रो आंद्रे बेते ने अपने बचपन की एक घटना बतायी है। उनकी माता एक परंपरागत बंगाली महिला थीं, तो सभी बच्चे हाथ से खाना खाते थे।

उनके एंग्लो–इंडियन पिता के एक दोस्त लंदन से आये, तो उनको घर पर खाने के लिए बुलाया गया। सभी को हाथ से खाता देख अथिति ने चम्मच छोड़ कर हाथ से खाने की कोशिश की। लेकिन उनके हाथ से चावल नीचे गिर जाता था। कई वर्ष बाद प्रो आंद्रे बेते को यह बात समझ में आयी कि यदि चम्मच से खाना एक कौशल है, तो हाथ से खाना भी एक कौशल है। इसमें कोई व्यवहारहीन या महान नहीं है।लेकिन जब हम कोई दूसरी भाषा सीखते हैं, तो उसके संस्कार भी धीरे–धीरे हमारे व्यवहार में शामिल हो जाते हैं। विशेष रूप से जहां अंग्रेजी का प्रभुत्व दिखता है, वहां अंग्रेजी संस्कृति भी अपनी छाप छोड़ने लगती है। हाथ के बजाय चम्मच से खाना भाषा का व्यवहार पर असर का एक संकेत है। भाषा, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता के संदर्भ में नुंगी वा थयोगो की बात को अगर इस संदर्भ में रख कर देखें, तो दूसरी भाषा और संस्कृति की उपलब्धियों को जानने–अपनाने से पहले अपने, इतिहास, कला, साहित्य, थियेटर, नृत्य की शिक्षा जरूरी है। पर अंग्रेजी के वर्चस्व से मातृभाषा में शिक्षा का सवाल धुंध में ढंक जाता है। हम अपने गांव–घर में भोजपुरी बोलते थे, स्कूल में हिंदी माध्यम था और फिर 'प्रोफेशनल' जरूरत से अंग्रेजी में काम करने लगे। लेकिन शहर में आ जाने से अगली पीढ़ी के सामने भोजपुरी की कोई उपयोगिता और परिवेश नहीं रहा। अंग्रेजी स्कूल का असर यह भी रहा कि पुरानी पीढ़ी के धोती–लुंगी अब ट्रैकसूट और शॉर्ट्स, टी–शर्ट्स में बदल गये। भाषा का असर खान–पान पर भी रहा। कटहल–परवल की जगह अब पनीर और मशरूम ने ले लिया।धोती और पैंट अब दो अलग–अलग आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहचान के वस्त्र बनते जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी धोती पहनने वाले लोग अब कम हो रहे हैं। महिलाओं के पहनावे में भी बदलाव आया है। जिन इलाकों में महिलाओं में साड़ी का चलन था, वहां भी सलवार–कुर्ता आम हो गया है और उसके दुपट्टा अनिवार्य नहीं रह गया हैं। साल 1980 के बाद से टीवी–फिल्मों का असर पुरुष–महिला सभी के परिधान पर देखा जा सकता है। सफारी सूट, चौड़ी मोहरी के पैंट, जींस, चुस्त पैंट, सभी फिल्मों के कारण चलन में आये। सभ्यता के प्रारंभ में कुछ वर्षों तक निर्वस्त्र रहने के बाद मनुष्य ने पत्तों और जानवरों की खाल पहनना आरंभ किया। सभ्यता के विकास के साथ वस्त्र बदलते रहे। लुंगी, धोती, पगड़ी, काफ्तान, जामा, पटका, चोगा, घाघरा–चोली, साड़ी, सलवार, कोट–अलग–अलग वस्त्र प्रचलन में रहे। वैदिक काल में बिना सिले वस्त्र, अंतरीय (अंडरगारमेंट) और उत्तरीय (अन्य वस्त्र) और कायाबंद परिधान होते थे। धोती के तरीके से साड़ी पहनने का प्रचलन अभी भी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र आदि जगहों पर है। मौर्य और शुंग काल में अंतरीय वस्त्र सूती कपड़ों से बनते थे। गुप्तकाल में कपड़ों की छपाई और कढ़ाई का चलन शुरू हुआ। अनुमान है कि कुषाण काल में सिले –सिलाये वस्त्रों का चलन शुरू हुआ, जिसमें महिलाओं के लिए घघरी की शुरुआत हुई। घुड़सवार और शिकारी लोगों ने अपने लिए पतली मोहरी का पजामा बनवाया होगा, जो मुगल काल में भी चलन में रहा। अंग्रेजी राज के प्रभाव के चलते कोट, पैंट, टाई फैशन में आये, फिर भी धोती का रिवाज बना रहा। अभी भी कई राज्यों में धोती की अनिवार्यता विवाह और धार्मिक अनुष्ठान के समय रहती है।समाज में कपड़े से लेकर जूते तक सामाजिक हैसियत के सूचक रहे हैं। लेकिन गांधी के देश में मटमैली धोती पहन लेने से किसी को मॉल में टिकट लेने के बाद भी सिनेमा देखने से रोक दिया जायेगा, यह किस बात का सूचक है? क्या शहरी और ग्रामीण भारत के बीच आर्थिक दूरी के साथ भाषाई और सांस्कृतिक दूरी भी बढ़ रही है? संतोष इस बात का है कि मॉल के कर्मचारियों ने अपनी गलती मान ली और देर से ही सही, फकीरप्पा को अपने एमबीए पास बेटे के साथ फिल्म देखने को मिल गयी।

वेब सीरीज ड्यून प्रोफेसी का नया टीजर जारी, दमदार लुक में नजर आईं तब्बू

वेब सीरीज ड्यूनः प्रोफेसी का इंतजार फैंस को लंबे समय से है। इस बीच निर्माताओं ने लोगों को एक और सौगात देते हुए इसका दूसरा टीजर जारी कर दिया। यह टीजर भारतीय दर्शकों के लिए भी काफी खास है, क्योंकि इसमें तब्बू की पहली झलक भी सामने आ गई है।

एचबीओ ओरिजिनल की इस वेब सीरीज का टीजर एक मिनट 10 सेकंड लंबा है। सीरीज के टीजर में सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में तब्बू के बहुप्रतीक्षित लुक से भी पर्दा उठ गया है। यह सीरीज हजारों साल पहले की कहानी बयां करती नजर आएगी। टीजर में एमिली वॉटसन का किरदार वाल्या हाकोनेन कहता है, बलिदान तो करना ही होगा। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे बेने गेसेरिट अपनी बहनों को शक्ति का प्रयोग करने और अपने दिमाग पर पूरा नियंत्रण रखने के लिए प्रशिक्षित करती हैं।टीजर में तब्बू को सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में महज पल भर के लिए दिखाया गया है, लेकिन यह अभिनेत्री के फैंस के लिए किसी बड़े तोहफे से कम नहीं है। इस टीजर में उन्हें काले कपड़े पहने हुए देखा जा सकता है। हालांकि, टीजर में वह कोई भी संवाद बोलती नजर नहीं आई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शो में तब्बू का किरदार बुद्धमान, मजबूत और आकर्षक होगा।यह सीरीज ब्रायन हर्बर्ट और केविन जे एंडरसन के लिखे उपन्यास सिस्टरहुड ऑफ ड्यून से प्रेरित है । तब्बू और एमिली के अलावा, इसमें ओलिविया विलियम्स, जोहदी मे, ट्रैविस फिमेल, सारा–सोफी बोस्निना, मार्क स्ट्रॉन्ग, क्लो ली, जोश हेस्टन, जेड एनोका, एडवर्ड डेविस, फॉइलेन कनिंघम, एओइफ हिंड्स, शालोम ब्रून–फ्रैंकलिन और क्रिस मेसन भी हैं।

अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था की एडवांस बुकिंग शुरू, नया पोस्टर जारी

अजय देवगन अपनी फिल्मों में अक्सर कुछ अलग करने का प्रयास करते हैं। इनमें से उनकी कुछ मूवीज का जादू पर्दे पर कुछ इस तरह चलता है कि लोग सालों बाद भी उनकी परफॉर्मेंस को भूलते नहीं। इस साल एक्टर की शैतान और मैदान रिलीज हुई और अब वह तब्बू के साथ औरों में कहां दम था लेकर हाजिर होने वाले हैं।एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी और स्पेशल 26 जैसी फिल्में बनाने वाले नीरज पांडे अब औरों में कहां दम था लेकर आ रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म का डायरेक्शन किया है। अजय देवगन और तब्बू ने अब तक कई फिल्मों में काम किया है और अब वह अपनी 10वी फिल्म को लेकर हाजिर होने वाले हैं। औरों में कहां दम था एक प्रेम कहानी है। यह दो ऐसे लवर्स की स्टोरी है, जिनका सामना 22 साल बाद होता है। इसके बाद क्या होता है, इसके लिए आपको फिल्म देखनी होगी, जो कि 2 अगस्त को रिलीज हो रही है। औरों में कहां दम था की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। अजय देवगन ने पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है।

ऋषभ पंत, नवदीप सैनी दिल्ली प्रीमियर लीग के उद्घाटन संस्करण में शामिल होंगे

नई दिल्ली, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) प्रमुख और लीग अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा है कि ऋषभ पंत, नवदीप सैनी, हर्षित राणा इस महीने के दूसरे हाफ में शुरू होने वाली दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के उद्घाटन सत्र में हिस्सा लेंगे।टी20 टूर्नामेंट, जिसमें पुरुष और महिला दोनों मैच होंगे, अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। लीग के लिए फ्रेंचाइजी नीलामी पिछले रविवार को आयोजित की गई थी और इसमें छह पुरुष टीमों की कुल 49.65 करोड़ रुपये में बिक्री हुई।जेटली ने शुक्रवार को ट्रॉफी उद्घाटन समारोह में कहा, ऋषभ पंत, नवदीप सैनी, हर्षित राणा और अन्य भारतीय खिलाड़ी डीपीएल के उद्घाटन सत्र में भाग लेंगे। मेरी ऋषभ पंत से बात हुई थी और उन्होंने मुझसे लीग में भाग लेने का वादा किया है, लेकिन यह केवल उनकी उपलब्धता और राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं पर निर्भर करता है। लेकिन अभी, वह खेलेंगे, नवदीप और हर्षित भी लीग में शामिल होंगे।

उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय, अंडर–23, अंडर–19 सहित पूरी दिल्ली से 270 खिलाड़ियों का ड्राफ्ट शामिल है।लीग के ब्रांड एंबेसडर, पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने लीग को लेकर अपना उत्साह दिखाया और कहा कि यह उन क्रिकेटरों के लिए एक शानदार अवसर है, जिन्हें आईपीएल या राष्ट्रीय टीम में मौका नहीं मिलता है।सहवाग ने कहा,लीग निश्चित रूप से उन खिलाड़ियों के लिए एक शानदार अवसर होगा जो नेट्स पर कड़ी मेहनत करते हैं और उन्हें किसी भी बड़े टूर्नामेंट में मौका नहीं मिला है। जब मैं अपने छोटे दिनों में खेलता था तो हमें खेलने का इस प्रकार का अवसर नहीं मिलता था, अब मेरा बेटा विभिन्न लीगों में खेल रहा है, मुझे खुशी है कि उसे ये अवसर मिलेंगे, तो हाँ यह एक बहुत अच्छा अवसर है।

बॉक्स ऑफिस पर बैड न्यूज हुई सुस्त, 12वें दिन का कलेक्शन जान लगेगा झटका

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क की तिकड़ी वाली फिल्म ह्यबैड न्यूज ने रिलीज से पहले ही काफी माहौल बना लिया था. फिल्म के तौबा–तौबा गाने जानम सॉन्ग ने भी बैड न्यूज के लिए फैंस की एक्साइटमेंट को बढा दिया था. वहीं फिल्म जब सिनेमाघरों में रिलीज हुई तो इसे दर्शकों और क्रिटिक्स से शानदार रिस्पॉन्स मिला. इसके बाद से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है हालांकि वीकडेज में फिल्म की कमाई में गिरावट भी आई. चलिए यहां जानते हैं बैड न्यूज ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को कितना कलेक्शन किया? बैड न्यूज की शुरुआत अच्छी हुई थी. फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर तो डबल डिजीट में कमाई की थी. हालांकि पहले हफ्ते में फिल्म के कलेक्शन में गिरावट भी देखी गई लेकन फिर भी इसने अच्छी कमाई की. अब ये फिल्म रिलीज के दूसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है. ह्यबैड न्यूजह्न ने दूसरे वीकेंड पर भी अच्छा कारोबार किया लेकिन दूसरे मंडे से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुस्त पड़ गई है. वहीं बैड न्यूज की कमाई की बात करें तो फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 8.3 करोड़ की कमाई की थी. इसके बाद फिल्म का पहले हफ्ते का कारोबार 42.85 करोड़ रहा. वहीं दूसरे हफ्ते के दूसरे फ्राइडे फिल्म ने 2.15 करोड़ और दूसरे शनिवार को 3.25 करोड़ कमाए. सेकंड संडे फिल्म ने 3.75 करोड़ और सेकंड मंडे 98 लाख का कलेक्शन किया. वहीं अब फिल्म की रिलीज के 12वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक बैड न्यूज ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 1.40 की कमाई की है.

मेडल की हैट्रिक पर मनु भाकर की रहेगी नजर, लक्ष्य सेन का फोकस सेमीफाइनल पर

पेरिस, 22 साल की शूटर मनु भाकर पेरिस ओलंपिक में भारत की सबसे मजबूत दावेदार बनी हुई है। प्रतियोगिता में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु शुक्रवार को महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालिफिकेशन राउंड में निशाना साधकर तीसरे मेडल के लिए अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। मनु के पास न सिर्फ हैट्रिक लगाने का मौका है, बल्कि 3 ओलंपिक मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बनने का भी अवसर है। शुक्रवार को मनु और ईशा सिंह 12:30 बजे से महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफाइंग के प्रिसिजन राउंड में हिस्सा लेंगी। इसके बाद शाम 4:30 बजे, वे दोनों रैपिड सेक्शन में भाग लेने के लिए शूटिंग रेंज में वापस आएंगे, जिससे उन्हें दो दिवसीय इवेंट में आठ खिलाड़ियों के फाइनल में जगह बनाने की उम्मीद है। भारतीय शटलर लक्ष्य सेन ने अभी तक शानदार खेल का प्रदर्शन किया है।

ओलंपिक से वापस आकर पिस्टल कोच समरेश जंग को लगा झटका

नई दिल्ली, पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर और सरबजोत सिंह को कांस्य पदक दिलाने वाले राष्ट्रीय पिस्टल शूटिंग कोच समरेश जंग को घर लौटने पर जबरदस्त झटका लगा जब उन्हें पता लगा कि उनके घर और इलाके को दो दिनों में ध्वस्त कर दिया जाएगा। ओलंपियन जंग को राष्ट्रीय राजधानी के सिविल लाइन्स में खैबर पास इलाके के अन्य निवासियों के साथ नोटिस दिया गया था।नोटिस आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के भूमि और विकास कार्यालय (एलएनडीओ) द्वारा जारी किया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि जिस जमीन पर खैबर पास कॉलोनी स्थित है वह रक्षा मंत्रालय की है और इसलिए अवैध है।अर्जुन पुरस्कार विजेता ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह विध्वंस अभियान क्यों हो रहा है। यह उनकी योजना में है और मुझे इसके बारे में पता भी नहीं है। उन्होंने पूरी कॉलोनी को अवैध घोषित कर दिया है.. जंग ने कहा कि कल शाम यह घोषणा की गई कि उन्हें 2 दिनों के भीतर क्षेत्र खाली करना होगा। उन्होंने बताया, मेरा परिवार 1950 के दशक से पिछले 75 वर्षों से यहां रह रहा है। हम अदालत गए लेकिन हमारी याचिका खारिज कर दी गई।उन्होंने आगे कहा कि दो दिनों में सामान पैक करना और घर खाली करना वाकई मुश्किल है। जंग ने कहा, हम बस कुछ समय चाहते हैं, यह संभव नहीं है कि आपने आज घोषणा की और कल हम घर खाली कर देंगे और वापस चले जाएंगे।इससे पहले, मेलबर्न में 2006 के राष्ट्रमंडल खेलों में पांच स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य जीतने वाले जंग ने गुरुवार शाम को सोशल मीडिया पर अपनी पीड़ा व्यक्त की और कहा

एक नजर

शहीद की स्मृति में रक्तदान चार अगस्त को

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहीद मंदीप सिंह रावत की स्मृति में लायंस क्लब डिग्निटी की ओर से चार अगस्त को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए क्लब के जनसंपर्क अधिकारी हुकुम सिंह नेगी व अध्यक्ष राजेश बत्रा ने बताया कि रक्तदान शिविर नजीबाबाद रोड चौराहे के समीप स्थित राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में होगा। उन्होंने आमजन से शिविर में पहुंचकर अधिक से अधिक रक्तदान करने की अपील की।

गढ़वाल विवि में प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में स्नातक स्तर की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गयी है। एनटीए की ओर से बीते दिनों परीक्षा परिणाम जारी करने के बाद विवि ने छात्रों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। गढ़वाल विवि में 11 अगस्त तक पंजीकरण प्रक्रिया चलेगी। जिसके बाद मेरिट के आधार पर प्रवेश दिए जायेंगे। गढ़वाल विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. महावीर सिंह नेगी ने बताया कि गढ़वाल विवि में यूजी कोर्सों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बताया कि छात्र-छात्राएं 11 अगस्त तक समर्थ पोर्टल पर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। बताया कि गढ़वाल विवि के परिसरों में पंजीकरण के लिए छात्र-छात्राएं और विवि से सम्बद्ध महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले इच्छुक छात्र वेबसाइट पर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। बताया कि 12 और 13 अगस्त को प्रथम मेरिट लिस्ट जारी कर दी जायेगी। प्रो. नेगी ने बताया कि स्नातकोत्तर और बीएड प्रवेश परीक्षा का परिणाम जल्द घोषित किया जायेगा। बताया कि यूजी में प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होने के बाद पहले बीएड और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जायेगी। (एजेंसी)

पौध रोपण से ग्लोबल वामिंग पर लगेगी रोक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : गोविंद बल्लभ पंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान घुड़दौड़ी में सघन पौध रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत देवदार, बांज, मोरपंखी, पदम, तिलांज, अंगु आदि के पेड़ लगाए गए। संस्थान के प्राचार्य प्रो. वीएन काला ने कहा कि पौध रोपण से हम पर्यावरण को संरक्षित कर ग्लोबल वार्मिंग को रोक सकते हैं। इस मौके डा. एमके अग्रवाल, डा. एच गोयल, डा. वीएम मिश्रा, डा. आशुतोष गुप्ता, संस्थान के उद्यान प्रभारी डा. पवन पंत, डा. मंगल बिष्ट, डा. एसके वर्मा, डा. किरीट सेमवाल आदि शामिल रहे।

गढ़वाल विवि में मेडिकल फैसिलिटी में हुआ इजाफा

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि में मेडिकल फैसिलिटी में इजाफा हुआ है। गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर स्थित हेल्थ सेंटर को एक ईसीजी मशीन के साथ ही पोर्टेबल आक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध हुआ है। गढ़वाल विवि के डीएसडब्ल्यू प्रो. महावीर सिंह नेगी ने बताया कि मशीन उपलब्ध होने से छात्रों एवं कर्मचारियों को काफी हद तक मदद मिलेगी। बताया कि विवि के हेल्थ सेंटर में रोजाना औसतन 20 से 22 छात्र एवं कर्मचारी अपना चेकअप कराने पहुंचते हैं। कहा कि छात्रों और कर्मचारियों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिले इसके लिए गढ़वाल विवि प्रयास कर रहा है। (एजेंसी)

लेपर्ड फ्रेंडली स्कूल अभियान शुरू, छात्रों को बताएं गुलदार से सुरक्षा उपाय

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : वन विभाग के तत्वावधान में बीआर मॉडर्न स्कूल में लिविंग विद लेपर्ड्स प्रोग्राम के तहत लेपर्ड फ्रेंडली स्कूल अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि यह अभियान युवा पीढ़ी के लिए सराहनीय है। इससे युवाओं को गुलदार की गतविधियों के साथ ही विभिन्न जानकारियां मिलेंगी।शुक्रवार को बीआर मॉर्डन स्कूल में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार पोरी ने शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत पहले चरण में 87 स्कूलों में जाकर छात्र-छात्राओं को गुलदार से सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जाएगी। इस दौरान छात्र-छात्राओं को गुलदार व मानव वन्य जीवन संघर्ष से बचने के तरीकों की विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि सुबह व शाम के समय घर से अकेले बाहर ना निकले। इस दौरान छात्र-छात्राओं को गुलदार-मानव संघर्ष को रोकने के लिए सावधानी उपाय अपनाने की शपथ भी दिलवाई गई।

मॉडल प्रतियोगिता में अपर्णा व अनन्या का ग्रुप रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आचार्य प्रफुल्ल चंद राय की स्मृति में आयोजित विज्ञान सप्ताह में वर्किंग व नॉन वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें अपर्णा व अनन्य का ग्रुप प्रथम स्थान पर रहा। जानकीनगर स्थित रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आचार्य प्रफुल्ल चंद राय की स्मृति में विज्ञान सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती व उप प्रधानाचार्य अनिल कोटनाला ने संयुक्त रूप से किया। विज्ञान विभाग प्रमुख राहुल भाटिया ने बताया कि आज के दिवस पर छात्र-छात्राओं ने विज्ञान की तीनों विधाओं जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान पर आधारित वर्किंग और नॉन वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग से 13 ग्रुप व सब जूनियर में आठ ग्रुप, सीनियर वर्ग से 11 ग्रुपों ने प्रतिभाग किया। जूनियर वर्ग में कक्षा आठ से अपर्णा व अनन्या के ग्रुप ने प्रथम, कक्षा सात से कृष्ण व आर्यन के ग्रुप ने द्वितीय और प्रियंका व आरुषि के ग्रुप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सब-जूनियर वर्ग में कक्षा नौ से सार्थक व हिमांशु का ग्रुप प्रथम, कक्षा दस से निहारिका व प्रियंका का ग्रुप द्वितीय और कक्षा नौ से आयुष व बंटी का ग्रुप तृतीय रहा। सीनियर वर्ग में हर्षित देवरारी का ग्रुप प्रथम, आशुतोष ध्यानी का ग्रुप द्वितीय व प्रशांत का ग्रुप तृतीय स्थान पर रहा। इसके साथ ही अन्य बाइस छात्र-छात्राओं द्वारा विद्यालय तकनीकी सहायक रोहित बलोधी के टचिंग लर्निंग मैटिरियल निर्माण व व्याखान की विधियों पर कार्य किया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विज्ञान के विषय पर आईसीटी प्रेजेंटेशन तैयार की। इस मौके पर सरोज नेगी, भूपेंद्र सिंह, चंद्रप्रकाश, संगीता रावत, रोहित बलोदी, सुबोध ध्यानी, संगीता कुकशाल आदि मौजूद रहे।

सात अगस्त को होगा तीज महोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : श्री गीता भवन उत्सव समिति महिला विंग की बैठक श्री गीता मंदिर गोविंदनगर में संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सात अगस्त को गीता मंदिर में तीज उत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर महिलाओं द्वारा लोकगीतों का गायन किया जाएगा। साथ ही शिव-पार्वती के विवाह का मंचन व मंदिर समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा तीज पर हास्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। इस मौके पर सेल्फ मेड राखी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा।

तीज उत्सव पर राधा-कृष्ण के विग्रह की वाटिका में राधा-कृष्ण की झांकी प्रस्तुत की जाएगी। बैठक में सुधा, सीमा गोयल, मधु गुप्ता, मीतू अग्रवाल, पूजा लड्डा, संगीता अग्रवाल, रश्मि गुप्ता, अंजली अग्रवाल मौजूद रहे। संचालन कार्यक्रम संयोजिका शशि शर्मा ने किया।

आश्वासन के बाद भी समस्या का निराकरण नहीं होने पर रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व में आश्वासन के बाद भी शहर की समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर नागरिक मंच ने रोष व्यक्त किया है। मंच ने विद्युत व पानी के बिलों में भी हो रही बढ़ोत्तरी पर भी नाराजगी जताई। कहा कि आमजन की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शुक्रवार को व्यापार संघ के सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। मंच के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश नैथानी ने कहा कि शहर में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण, शौचालयों की नियमित सफाई, मालवीय उद्यान में निगम के भारी वाहन खड़े करने सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर मंच ने कुछ दिन पूर्व निगम कार्यालय में धरना दिया था। नगर आयुक्त ने एक सप्ताह के भीतर समस्याओं के निराकरण का भी आश्वासन दिया। लेकिन, अब तक समस्याओं के निराकरण पर ध्यान नहीं दिया गया है।

मंच के सचिव अतुल भट्ट ने कहा कि नगर निगम अपनी जिम्मेदारियों को लेकर लापरवाह बना हुआ है। शहर की सड़कों पर लगातार आवारा पशुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। आए दिन गोवंश राह चलते लोगों को चोटिल कर रहे हैं।

लाख शिकायत के बाद भी नगर निगम इनके संरक्षण पर ध्यान नहीं दे रहा। इस मौके पर पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष पूरण सिंह रावत, गोविंद डंडरियाल, वीरेंद्र गुसाईं, बीबी जोशी, राजेंद्र सिंह नेगी, महावीर सिंह रावत, आरपी पंत, प्रवेश नवानी, देवव्रत काला, एसएन नौटियाल, दिनेश जुयाल, जेपी भारद्वाज, सुबोध देवरानी, शंकर दत्त गौड़, विजय माहेश्वरी आदि मौजूद रहे।

बिना टिकट यात्रा करने वालों पर कार्रवाई, लगाया जुर्माना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नजीबाबाद-कोटद्वार के मध्य संचालित होने वाली पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करने वालो के खिलाफ नजीबाबाद जंक्शन के टीटीई स्टाफ ने कार्रवाई की है। बिना टिकट यात्रा करने वालों से सात हजार रुपये तक का जुर्माना वसूला गया है।

सुबह 9:05 बजे नजीबाबाद से कोटद्वार के लिए चली पैसेंजर ट्रेन में नजीबाबाद जंक्शन के चेकिंग स्क्वायड ने मुख्य टिकट निरीक्षक सीपी सिंह के नेतृत्व में जांच की। ट्रेन की गति धीमी होने से कुछ बेटिकट यात्री ट्रेन से कूद गए। टीम ने ट्रेन में बिना टिकट सवार यात्रियों से जुर्माना वसूला। वहीं, कुछ बेटिकट यात्री खुद को टीटीई स्टाफ से बचाए रहे और सनेह रोड हॉल्ट स्टेशन पर ट्रेन रुकने पर टिकट खरीदा। ट्रेन में चेकिंग का यह क्रम बृहस्पतिवार शाम 6:30 बजे तक जारी रहा। मुख्य टिकट निरीक्षक सीपी सिंह ने बताया कि चेकिंग में 27 यात्रियों को बिना टिकट पकड़कर उनसे 7,020 रुपये जुर्माना वसूला गया। चेकिंग अभियान से टिकट की काउंटर सेल में बढ़ोतरी हुई है। चेकिंग टीम में टीटीई मोहम्मद इरफान एवं मान सिंह शामिल रहे।

नालों को पक्का करने की उठाई मांग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्रांर्गत पराग डेयरी से चुंगी तक में बने नालों को पक्के किये जाने की मांग को लेकर शुक्रवार को लोगों ने एनएच विभाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन प्रेषित किया।

डा. सूरज दत्त किमोठी, एनएस रावत, बीएस भंडारी, राजेश नौटियाल, जगमोई राणा, केपी शर्मा ने कहा कि जुलाई और अगस्त माह में बारिश का सारा पानी सड़क पर बहता है। जिससे स्कूली बच्चों सहित राहगीरों को चलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि बरसात होते ही अपने घरों के शौचालय के पिटों को खोले जा रहे है, जिससे पूरी गंदगी सड़कों पर बह रही है। उन्होंने पराग डेयरी से चुंगी तक बने नालों को पक्के किये जाने और ढकने की मांग की है। (एजेंसी)

महोत्सव में स्वाति बंसल बनी तीज क्वीन

श्री वैश्य अग्रवाल महिला सभा की ओर से आयोजित किया गया महोत्सव

आयोजित प्रतियोगिताओं में अव्वल रहने वाली महिलाओं को सम्मानित करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री वैश्य अग्रवाल महिला सभा की ओर से तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वाति बंसल को तीज क्वीन चुना गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी।

नजीबाबाद रोड स्थित एक बारातघर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कहा कि तीज का त्योहार भगवान शिव व माता पार्वती की भक्ति, तप व मिलन के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में संग सहेली प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें रेणु अग्रवाल व बीना मित्तल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्वाति बंसल ने तीज क्वीन का खिताब अपने नाम किया। इसके उपरांत महिलाओं के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नृत्य, गीत व अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत कर महिलाओं ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिताओं में अव्वल स्थान पाने वाली महिलाओं को वैश्य अग्रवाल महिला सभा की ओर से सम्मानित किया गया। इस मौके पर सभा की महिला अध्यक्ष अंजलि अग्रवाल, सचिव स्नेहा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मीनाक्षी (लक्ष्मी) अग्रवाल, सपना, शिखा, पूर्ति, आरती, कनिका, संगीता, मीनू, सीमा, पारुल, पूनम, निशा, ज्योति, उर्मिला, कुसुम, नीतू, अर्चना, रोली, पूजा मित्तल आदि मौजूद रहे।

अतिथि शिक्षक को दी विदाई

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के राजकीय इंटर कॉलेज जयदेवपुर सिगड्डी में पिछले 4 वर्षों से राजनीति विज्ञान प्रवक्ता पद पर कार्यरत अतिथि शिक्षिका स्मिता नेगी को शुक्रवार को उनके विदाई समारोह में स्कूल स्टाफ व छात्रों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य शोबेंद्र जोशी ने कहा कि उनके स्थान पर नियमित शिक्षक रविंद्र रावत द्वारा कार्य भार ग्रहण करने पर अतिथि शिक्षिका को कार्यमुक्त कर विदाई दी जा रही है।

समारोह में विद्यालय के शिक्षक जयकुमार दोहरे, वेद प्रकाश धस्माना, सतीश चंद्र, राजेंद्र कुमार, दीपक लखेड़ा, सुनील खंतवाल, राजीव शर्मा, कल्पेश्वरी बलोधी और सुधा शर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ और छात्र-छात्रा मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में नाम AAIMAL दर्ज हो गया है, जो कि गलत है, जबकि मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम अनुराधा भण्डारी है। जो कि आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों में अंकित है। अतः मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में उसका सही व वास्तविक नाम अनुराधा भण्डारी अंकित कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाये।

जगमोहन सिंह भण्डारी पुत्र मगन सिंह वर्तमान निवासी वार्ड नंबर 18, शिवपुर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0321/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र आफरीदी पुत्र मो0 हाशिम मेरे कहने सुनने में नहीं है तथा वह गलत संगत में पड़ गया है। मैं अपने पुत्र अफरीदी को मैं अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए मैं तथा मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं रहेगा। उसके द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा।

परवीन पत्नी मो0 हाशिम निवासी लकड़ी पड़ाव, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0322/21)

70 विद्यार्थियों का हुआ एनसीसी में चयन

महाविद्यालय में आयोजित भर्ती प्रक्रिया में भाग लेते विद्यार्थी

प्रोफेसर डीएस नेगी ने छात्र-छात्राओं को एनसीसी के अच्छाइयों के बारे में बताया। महाविद्यालय डा. आर एस चौहान द्वारा महाविद्यालय में एनसीसी के छात्र-छात्राओं को अनुशासन बनाए रखने की सीख दी गई। कहा कि अनुशासन में रहकर ही एक बेहतर लक्ष्य को हासिल किया जा सता है। भर्ती अधिकारी महाविद्यालय के एनसीसी ऑफिसर कैप्टन डॉ. वीसी शाह द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को एनसीसी के महत्व के बारे में बताया गया। कहा कि इससे पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर डा. आर एस चौहान, डा. सुशील बहुगुणा, डा. अभिषेक गोयल, डा. आदेश कुमार, डा. दोनिश कुमार, अभिषेक अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित की गई भर्ती

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : 31 यूके बटालियन एनसीसी की ओर से राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में एनसीसी भर्ती का आयोजन किया गया। जिसमें 70 बच्चों का चयन किया गया। महाविद्यालय में आयोजित भर्ती प्रक्रिया में 120 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य

मुकदमा दर्ज

श्रीनगर गढ़वाल : तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने पर एक वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। श्रीनगर कोतवाली प्रभारी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक होशियार सिंह पंखोली ने बताया कि तहरीर में श्रीनगर निवासी नरेश चन्द खंडूड़ी ने कहा कि बीते 1 जुलाई को करीब 10.30 बजे उनके पिताजी देवेश्वर प्रसाद निवासी श्रीनगर एसबीआई के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर पैदल सड़क पार करते समय वाहन ने टक्कर मारकर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। कोतवाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर वाहन चालक कार्तिक बहुगुणा पुत्र दिगंबर निवासी क्यार्क नाला रुद्रप्रयाग के खिलाफ मामला पंजीकृत किया गया है।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमन्त्रित करते हैं।

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	**10-Tele-SNT-Shifting-MB-23-24** 6 quad केबल शिफ्टिंग इन कनेक्शन विथ गंगा एक्सप्रेस वे बिटवीन BGMU-MLW ओवर मुरादाबाद डिवीज़न।	2136804.04	42700.00	निल	27.08.2024 15:00 hrs.
2	**403-Tele-equipment-MB-23-24** प्रोविजन ऑफ़ टेलिकॉम इक्विपमेंट फॉर न्यू लोको लॉबी बलामाऊ।	1862377.37	37300.00	निल	27.08.2024 15:00 hrs.
3	**404-Tele-equipment-MB-23-24** प्रोविजन ऑफ़ टेलिकॉम इक्विपमेंट फॉर न्यू लोको लॉबी रोज़ा।	2248765.5	45000.00	निल	27.08.2024 15:00 hrs.

नोटः- निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना- 10-Tele-SNT-Shifting-MB-23-24, 01-SANDT-Tele-AMC-MB-23-24, 403-Tele-equipment-MB-23-24, 404-Tele-equipment-MB-23-24 दि0 01.08.2024 2384/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आंदोलनकारियों की पेंशन में करें बढ़ोत्तरी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राज्य आंदोलनकारियों को मिलने वाली पेंशन में बढ़ोत्तरी करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर चिह्नित राज्य आंदोलनकारी समिति ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया। कहा कि सरकार को आंदोलनकारियों के हित को लेकर गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

शुक्रवार को समिति ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के लिए दिए गए आंदोलनकारियों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आंदोलनकारियों को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की तर्ज पर सुविधाएं देने के लिए वर्ष 2002 में विधेयक पारित किया गया था। लेकिन, वह विधेयक आज भी लागू नहीं हो पाया है। कहा कि राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन बढ़ाकर बीस हजार रुपये प्रतिमाह की जानी चाहिए।

समिति ने राज्य आंदोलन में शहीद स्व. पृथ्वी सिंह बिष्ट की याद में स्मृति द्वार भी बनवाने की मांग उठाई। कहा कि इससे युवाओं को आंदोलनकारियों के योगदान के बारे में जानकारी मिलेगी। इस मौके पर नगर अध्यक्ष शमीम अब्बासी, आशाराम, मोहन लाल आदि मौजूद रहे।

एआई से संभावित खतरों पर जताई चिंता

श्रीनगर गढ़वाल : जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान चड़ीगांव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर शुक्रवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रत्येक डीएलएड प्रशिक्षु द्वारा चार्ट, पीपीटी के माध्यम से अपनी विषय वस्तु का प्रस्तुतीकरण दिया गया।

सेमिनार में एआई शब्द की उत्पत्ति, विकास ,विभिन्न क्षेत्रों में संभवता एवं सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर विचार प्रस्तुत किए गए। प्रशिक्षुओं द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में जीनोमिक मेडिसिन, एआई आधारित विभिन्न एप्लीकेशन के उपयोग आदि बिंदुओं को उकेरा गया। कृषि, कानून व्यवस्था, जलवायु, शासन व्यवस्था आदि में भी एआई की उपयोगिता के बारे में बताया गया। भविष्य में एआई से संभावित खतरों की संकल्पना के तौर पर डाटा प्राइवेसी, रोजगार, डीप फेक आदि बिंदुओं पर चिंता जाहिर की गयी। डायट प्राचार्य स्वराज सिंह तोमर ने प्रशिक्षुओं के प्रयास की सराहना करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जीवन में लाभ और हानि पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ तीन छात्रों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित व सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। मौके पर डॉ. एन पी उनियाल, डॉ. जे एस पुंडीर, नीलिमा शर्मा, डॉ. डीएस लिंगवाल, एमएस कलेठा, विनय किमोठी, संगीता डोभाल, अनुजा, जेएस कठैत आदि उपस्थित रहे। (एजेंसी)

मां का दूध बच्चे के लिए श्रेष्ठ ही नहीं, जीवन रक्षक भी

श्रीनगर गढ़वाल : बेस चिकित्सालय श्रीकोट में बाल रोग विभाग के तत्वावधान में विश्व स्तनपान दिवस सप्ताह पर नवजात शिशुओं की माताओं को स्तनपान कराने के बारे में जागरूक किया गया। थीम क्लोजिंग द गैप-ब्रेस्टफीडिंग सपोर्ट फॉर ऑलह्ल पर स्तनपान को प्रोत्साहन देने के लिए व प्रसूताओं को नवजात बच्चों को प्रथम आहार के रूप में मां के दूध के लिए प्रेरित करने के लिए डॉक्टरों द्वारा जानकारी दी गई। विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अंकिता गिरी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि मां का दूध छह-आठ महीने तक बच्चे के लिए श्रेष्ठ ही नहीं, जीवन रक्षक भी होता है।बाल रोग विभाग के एचओडी डॉ. सीएम शर्मा ने कहा कि वर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग के महत्व के बारे में सबको समझना होगा। मां का दूध नवजात बच्चे के लिए पूरा आहार होता है, इससे बच्चों को जरूरी पोषण मिलता है साथ ही इम्यूनिटी विकसित होती है और पोस्टपार्टम रिकवरी जल्दी होती है और और ब्रेस्ट कैंसर से भी बचाव होता है। बाल रोग विभाग के चिकित्सक डॉ. अशोक शर्मा ने कहा कि स्तनपान शिशु के जन्म के पश्चात एक स्वाभाविक क्रिया है। भारत में अपने शिशुओं का स्तनपान सभी माताऐं कराती हैं, लेकिन पहली बार मां बनने वाली माताओं को शुरू में स्तनपान कराने के लिये जागरूकता जरूरी है। स्तनपान के बारे में सही ज्ञान के अभाव में जानकारी न होने के कारण बच्चों में कुपोषण का रोग एवं संक्रमण से दस्त हो जाते हैं। कहा कि स्तनपान से बच्चे के इम्यून सिस्टम को बढ़ावा मिलने, शिशु मृत्यु दर को कम करने के साथ ही सबसे महत्वपूर्ण श्वसन पथ के संक्रमण, मधुमेह, एलर्जी रोगों जैसे संक्रमणों और बचपन में होने वाले ल्यूकेमिया के विकास के जोखिम को कम करता है।

कार्यालय नगर पंचायत सतपुली, पौड़ी गढ़वाल

संशोधित संपत्ति/भवन कर उपविधि 2020

पत्रांकः 96/संशो0 संपत्ति/भवन कर उपविधि 2020/2024 **दिनांक : 01 अगस्त 2024**

"संपत्ति/भवन कर उपविधि 2020" नगर पंचायत सतपुली, जिसका गजट नोटिफिकेशन दिनांक 25 सितम्बर 2021 को किया गया था, को उत्तराखण्ड शासन विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग की अधिसूचना संख्या 127/ एक्सएक्सएक्सवीआई (1)/2021 देहरादून, 12 अप्रैल 2021 द्वारा उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम-1916) अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2002 में उत्तराखण्ड राज्य के परिपेक्ष्य में अग्रेत्तर संशोधन के द्वारा उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम-1916) अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2002 (जिसे इसके आगे मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 140 निम्नलिखित रूप से प्रतिस्थापित की गई है, के अनुसार "संपत्ति/भवनकर उपविधि-2020" में निम्न आंशिक संशोधन किया जा रहा है, एवं नगर पालिका अधिनियम-1916 की धारा-301(1) के अंतर्गत जनसामान्य एवं जिन पर इसका प्रभाव पड़ने वाला है, उनसे आपत्ति एवं सुझाव हेतु प्रकाशित किया जा रहा है।

अतः समाचार पत्र में उक्त "आंशिक संशोधन सूचना" के प्रकाशन से दिनांक 15 अगस्त 2024 तक लिखित सुझाव एवं आपत्तियां अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत सतपुली जनपद पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड) को प्रेषित की जा सकेगी।

3: **वार्षिक मूल्यांकनः** "भवन या भूमि या दोनों, जैसी भी स्थिति हो, का पूंजीगत मूल्य, जो कि भवन के आच्छादित क्षेत्रफल या भूमि के क्षेत्रफल या दोनों, जैसी भी स्थिति, को भारतीय स्टांप अधिनियम 1899 के प्रयोजनार्थ कलेक्टर द्वारा निर्धारित सर्किल रेट/निर्माण की दर जो प्रचलन में हो, से गुणा करने पर प्राप्त मूल्य।

किन्तु प्रतिबन्ध यह है कि सम्पत्ति कर के अंतर्गत सामान्य कर की दर वार्षिक मूल्य के 0.01 प्रतिशत से 1 प्रतिशत के मध्य होगी तथा पूंजीगत मूल्य आधारित सम्पत्ति कर प्रारंभ होने के आगामी 5 वर्षों में किसी भी दशा में ठीक पूर्व के वर्ष में निर्धारित कर से कम अथवा 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा, तत्पश्चात अनुवर्ती वर्षों में संपत्ति कर में प्रतिवर्ष वृद्धि की अधिकतम दर नियमावली में विहित रीति से तय की जायेगी।

परन्तु यह भी कि पूंजीगत मूल्य आधारित कर का निर्धारण प्रत्येक वर्ष में एक बार किया जायेगा तथा 01 अप्रैल को प्रचलित सर्किल रेट के आधार पर ही पूर्ण वर्ष का सम्पत्ति कर निर्धारित किया जायेगा।"

(भवन का वार्षिक मूल्य = आच्छादित क्षेत्रफल X गणना वर्ष को लागू प्रतिवर्ग मीटर सर्किल रेट)

आवासीय भवनों के लिए गणना निम्न भांति की जाएगी :

1- आवासीय भवनों/विभागीय आवास के लिए वार्षिक मूल्यांकन के	0.01 प्रतिशत
2- आवासीय भवन, जिसमें परिवार किराये पर निवासरत है, के लिए वार्षिक मूल्यांकन (वार्षिक किराया) के	1.0 प्रतिशत
अनावासीय भवनों के लिए गणना निम्न भांति की जाएगी :	
1- सरकारी कार्यालय भवनों के लिए वार्षिक मूल्यांकन के	0.012 प्रतिशत
2- व्यावसायिक प्रतिष्ठानों/दुकानों के लिए वार्षिक मूल्यांकन के	0.015 प्रतिशत
3- वेडिंग प्वाइंट/होम स्टे/होटल (01 कमरे से 10 कमरे का निर्धारण) वार्षिक मूल्यांकन के	0.025 प्रतिशत
4- होटल (10 कमरे से 35 कमरे का निर्धारण) वार्षिक मूल्यांकन के	0.050 प्रतिशत
5- होटल (35 कमरे से 50 कमरे का निर्धारण) वार्षिक मूल्यांकन के	0.075 प्रतिशत
6- जिस आवासीय मकान/भूमि पर मोबाइल टॉवर का निर्धारण वार्षिक मूल्यांकन के	0.075 प्रतिशत

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सतपुली

प्रशासक
नगर पंचायत सतपुली

एक नजर

आर्यन स्पोर्ट्स क्लब और दून वैली स्कूल ने मैच जीते

देहरादून। सेंट जॉर्ज कॉलेज मसूरी में खेले जा रहे जैकी फुटबॉल टूर्नामेंट के चौथे दिन आर्यन स्पोर्ट्स क्लब और दून वैली पब्लिक स्कूल ने जीत दर्ज की। शुक्रवार को प्रतियोगिता के कुल तीन मैच खेले गए।

पहला मैच में आर्यन स्पोर्टस क्लब ने बालीगंज स्पोर्टस क्लब को 5–0 से हराया। दूसरे मैच में दून वैली पब्लिक स्कूल ने हैम्पटन कोर्ट स्कूल को 2–1 से हराया। तीसरे मैच में एफ सी ब्लू स्पोर्टस क्लब ने भट्टा स्पोर्टस क्लब को 4–0 से हराकर विजय हासिल की। इस मौके पर पुष्कर गुंसाई, सीएम भट्ट,देवाशीष कश्यप, अनीश क्षेत्री, मिलन क्षेत्री व अभिरूचि गुरुंग ने रेफरी की भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ब्रदर रमेश अमलानाथन, उप–प्रधानाचार्य एवं स्पोर्टस सेक्रेटरी ब्रदर फिलिक्स कुमार, सुपीरियर ब्रदर बाबू वर्गीस व स्पोर्टस डिपार्टमेंट के साथ ही अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बच्चों के साथ व्यवहार के तौर तरीके बताए

देहरादून। समाज कल्याण विभाग की ओर से बाल गृह और जिला बाल संरक्षण इकाई के कर्मचारियों के लिए नगर निगम देहरादून के निकट एक होटल में बुधवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों के साथ कर्मचारियों के व्यवहार के तौर–तरीके की जानकारी दी गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन अपर जिलाधिकारी जयभारत सिंह ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। एडीएम ने कहा कि कर्मचारियों के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह बच्चों के साथ एक अभिभावक की तरह पेश आए हैं।

मुख्य वक्ता डॉ. पवन शर्मा, प्रज्ञा भारद्वाज, पुष्पा पासवान और स्वास्थ्य विभाग से डॉ. राजीव कुमार दीक्षित ने कर्मचारियों को बताया कि यह सबसे ज्यादा जरूरी है कि हमें हर बच्चे की मानसिकता और उसके व्यवहार की जानकारी हो। साथ ही हमें खुद को संयमित तरीके से बच्चों के सामने पेश आना होगा। डॉ.राजीव कुमार दीक्षित ने डेंगू से बचाव के उपाय के तरीके बताए। प्रशिक्षण में जिला प्रोबेशन अधिकारी देहरादून मीना बिष्ट, उप मुख्य परिवीक्षा अधिकारी अंजना गुप्ता, राजीव नयन समेत अन्य मौजूद रहे।

तीज महोत्सव में महिलाओं की प्रस्तुति ने बांधा समां

देहरादून। नवचेतना वूमेंस क्लब की ओर से शुक्रवार को होटल स्टार वुड में तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं की सांस्कृतिक की प्रस्तुतियों ने समां बांधा।कार्यक्रम में महिलाओं ने एक के बाद एक प्रस्तुति दी।

राजस्थानी गीतों पर भी नृत्य प्रस्तुत कर तालियां बटौरी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ तंबोला और लक्की ड्रा का भी आयोजन हुआ। इस दौरान तीन क्वीन स्पर्धा का आयोजन भी हुआ। वक्ताओं ने तीज के बारे में जानकारी दी। कहा कि हर त्योहार का धूमधाम से मनाया जाना चाहिए। इस मौके पर अध्यक्ष राखी नागलिया, संयोजिका श्रुति अग्रवाल, विभा अग्रवाल, कुसुम नागलिया, नीता गर्ग, संजीव, संगीता गुप्ता, उषा मोहन आदि मौजूद रहे।

रेस्क्यू के लिए ड्रोन का इस्तेमाल भी कर रही है एसडीआरएफ

देहरादून। केदारनाथ घाटी में जगह–जगह फंसे तीर्थयात्रियों के रेस्क्यू को एसडीआरएफ को भी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। बीती रात मुनकटिया (गौरीकुंड) के समीप एसडीआरएफ का रेस्क्यू स्थल ही तेज बारिश में ध्वस्त हो गया, जिससे ड्रोन की मदद से अन्य रास्तों को तलाश करना पड़ा। एसडीआरएफ के कमांडेंट मणिकांत खुद ही मौके पर कमान संभालें हैं। गुरुवार की रात सोनप्रयाग– गौरीकुंड पहाड़ी मार्ग पर बारिश के साथ ही अचानक मलबा औरर बोल्डर गिरने से रेस्क्यू के लिए बनाए गए लगभग दो किमी लंबा वैकल्पिक मार्ग को भी क्षति पहुंची है। फिर इसके बाद एसडीआरएफ ने आगे की योजना बनाई।

वॉकथॉन से देंगे 'मुस्कान के साथ जियो का संदेश

देहरादून। वैस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया की ओर से चार अगस्त को वॉकथॉन का आयोजन किया जाएगा। शुक्रवार को प्रेस क्लब में आयोजक डॉ. प्रवीण जिंदल ने वॉकथॉन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य 'मुस्कान के साथ जियो का संदेश देना है। साथ ही समुदाय और एक एकजुटता की भावना को बढ़ावा देना है। बताया कि वॉकथॉन को गढ़ी कैंट से जनरल ऑफिसर ऑफ कमांडिंग उत्तराखंड सब एरिया मेजर जनरल आर प्रेमराज की ओर से हरी झंडी दिखाई जाएगी।

मानकों के विपरीत चल रहे कोचिंग संस्थानों पर सख्ती

जयन्त प्रतिनिधि कोटद्वार : दिल्ली के राजेंद्र नगर में संचालित कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में पानी भरने से हुई तीन प्रतियोगी छात्रों की मौत के बाद कोटद्वार प्रशासन भी सख्त हो गया है। शुक्रवार को टीम ने शहर में संचालित हो रहे कोचिंग संस्थानों में छापेमारी की। इस दौरान नियमों के विपरीत चल रहे संस्थानों के खिलाफ कार्यवाही की गई।

उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी के नेतृत्व में टीम ने शहर के कोचिंग संस्थानों में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान देवी रोड में एक कोचिंग सेंटर बेसमेंट में संचालित हो रहा था। जिस पर प्रशासन ने इस कोचिंग सेंटर को सीज किया। अभियान के दौरान कोचिंग सेंटर में अग्निशमन यंत्रो की भी जांच की गई। कई स्थानों पर बेसमेंट को पार्किंग

उपयोग के लिए दर्शाया गया है। जबकि, इनमें कोचिंग सेंटर व अन्य संस्थान संचालित किए जा रहे हैं। उपजिलाधिकारी ने बताया कि कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा के लिए अभियान चलाया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन करने वाले सेंटरों के खिलाफ कार्यवाई की जा रही है।

प्रधान सहायक के निलंबन से नाराज मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों ने दिया धरना

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड लोक निर्माण विभाग के प्रमुख और मुख्य अभियंता मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन ने लोनिवि के एक प्रधान सहायक के निलंबन पर नाराजगी जताते हुए मुख्य अभियंता कार्यालय में धरना दिया। कहा कि उक्त कर्मचारी का निलंबर वापस लेते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। शुक्रवार को धरना देते हुए एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि गलत रिपोर्ट के आधार पर प्रधान सहायक को निलंबित किया गया है। कहा कि उक्त कर्मचारी का निलंबन वापस लेते हुए मामले की जांच कराई जाए। कहा कि जल्द ही कर्मचारी का निलंबन वापस नहीं लिया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। धरने में मंडलीय महामंत्री अतुल नौड़ियाल, शिव सिंह राणा, दिगंबर रावत, बलीवर चौहान, पूरण सिंह, मातबर सिंह राणा, नरेंद्र रावत, गौरी सुंद्रियाल, विपिन, जीतपाल, विक्रम सिंह रावत आदि शामिल रहे।

निर्मल चंद्र ने किया उत्तराखण्ड का नाम रोशन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी निवासी निर्माता व निर्देशक निर्मल चंद्र डंडरियाल ने मुंबई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में राज्य का नाम रोशन किया है। उनकी फिल्म 6-ए आकाशगंगा को सर्वश्रेष्ठ फिल्म के पुरस्कार से नवाजा गया है। मुख्यालय के कला प्रेमियों, रंगकर्मियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनकी इस उपलब्धि पर खुशी जताई है।

निर्मल चंद्र डंडरियाल ने बताया कि फिल्म 6-ए आकाशगंगा विश्व प्रसिद्ध सितार वादक पं. रविशंकर प्रसाद की धर्मपत्नी व संगीत साधक अन्नपूर्णा देवी के जीवन पर आधारित है। इससे पूर्व निर्मल चंद्र द्वारा पौड़ी के कल्जीखाल ब्लॉक के सांगुड़ा गांव के बुजुर्ग पं. विद्यादत्त शर्मा के जीवन चरित्र व पहाड़ों में पलायन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री मोती बाग को भी भारत की ओर से आस्कर पुरस्कार प्रविष्टि मिली चुकी है। बताया कि उन्होंने अभी तक 10 से अधिक वृत्त चित्रों का निर्देशन किया।

उनकी फिल्में अंतरराष्ट्रीय समारोह में बेहतर प्रदर्शन कर चुकी हैं। जबकि कई फिल्मों का बीबीसी, एनडीटीवी व दूरदर्शन चैनलों पर प्रसारित किया जा चुका है।

वह सिनेमा में उत्कृष्टता के लिए भारत के राष्ट्रपति से तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी प्राप्त कर चुके हैं। निर्मल चंद ने बताया कि अब वे असकोट-आराकोट की 45 दिन की ऐतिहासिक यात्रा पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म बना रहे हैं।

तहसील दिवस 6 अगस्त को

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : अगस्त माह के प्रथम मंगलवार (06 अगस्त) को अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में तहसील बसुकेदार में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर दर्ज शिकायतों का यथासंभव मौके पर निराकरण किया जाएगा। तहसीलदार बसुकेदार प्रताप सिंह ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बतायाा कि आगामी मंगलवार (06 अगस्त) को अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में राजकीय इंटर कॉलेज पठालीधार में प्रातः 11 बजे से तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से उक्त आयोजित होने वाले तहसील दिवस में निर्धारित स्थान व समय पर उपस्थित होने की अपील की है।

गौ सदनों के निर्माण में जनपद टिहरी में सबसे बेहतरीन कार्य

देहरादून। राज्य में निराश्रित गोवंशीय पशुओं को गोद लेने वाले लोगो को एक निश्चित मानदेय देने के योजना को जल्द आरम्भ करने की दिशा में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने पशुपालन विभाग इस सम्बन्ध में तत्काल गाइडलाइन्स बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की सड़कों पर एक भी निराश्रित पशु न दिखे इसके लिए प्रशासन व आमजन को मिलजुल कर पूरी संवेदनशीलता व मानवीयता से कार्य करना होगा। सीएस रतूड़ी ने राज्यभर में गोदसदनों के निर्माण के लिए मिसिंग लिंक के माध्यम से जारी 10 करोड़ की धनराशि को उपयोग करने के लिए पंचायती राज्य विभाग को जल्द से जल्द इस सम्बन्ध में वित्तीय मद खोलने का प्रस्ताव वित्त विभाग को प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गोसदनों व सड़कों में निराश्रित गोवंशीय पशुओं की व्यवस्था व स्थिति की मॉनिटरिंग के लिए एक कमेटी के गठन के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने लोगों व ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों द्वारा पाले जाने वाले गोवंशीय पशुओं की अनिवार्य ईयरटैंगिग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं, ताकि आवारा व निराश्रित गोवंशीय के मालिकों की ट्रैकिंग की जा सके। उन्होंने इस सम्बन्ध में जन जागरूकता बढ़ाने के भी निर्देश दिए हैं। सीएम ने राज्य में निराश्रित गोवंशीय पशुओं के लिए गौ सदनों के निर्माण हेतु सीएसआर के माध्यम से भी धन जुटाने के निर्देश दिए हैं।मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय में राज्य में गोसदनों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में उत्तराखण्ड पशु कल्याण बोर्ड ने जानकारी दी कि वर्तमान में में राज्य में कुल पंजीकृत 60 गोसदन हैं। पंजीकृत गौ सदनों में शरणागत गोवंशीय पशुओं की संख्या लगभग 14000 है। वर्तमान में निराश्रित पशुओं की संख्या 20687 है। जनपद पौड़ी गढ़वाल में सर्वाधिक 5525 निराश्रित गौवंशीय पशु हैं। उधमसिंह नगर में 4955, देहरादून में 2050, नैनीताल में 2155 व टिहरी में 2259 निराश्रित पशु हैं। राज्य में सभी जनपदों में 54 स्थानों पर भूमि चिन्हित कर सड़कों पर विचरण कर रहे निराश्रित गोवंशीय पशुओं को शरण दिए जाने हेतु गोसदनों की स्थापना का कार्य किया जा रहा है।

वन भूमि हस्तांतरण के लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण करें : डीएम

जिलाधिकारी ने वन भूमि हस्तांतरण के लंबित प्रकरणों की समीक्षा बैठक ली

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने शुक्रवार को वीसी के माध्यम से वन भूमि हस्तांतरण मामलों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभागों को निर्देशित किया कि आपस में समन्वय बनाकर वन भूमि के लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाए। ताकि कोई भी सड़क एवं विकास कार्य वन भूमि हस्तांतरण के कारण लंबित न रहे।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सीए लैंड न मिलने के कारण जो प्रस्ताव लंबित है उनके लिए तहसील स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में बैठक करते हुए 15 दिनों के भीतर सभी प्रकरणों का निस्तारण करते हुए प्रस्ताव ऑनलाइन करना सुनिश्चित करें। समरेखण विवाद

वाले मामलों को सुलझाने के लिए एसडीएम के सहयोग से स्थानीय लोगों एवं जन प्रतिनिधियों से साथ वार्ता करें। वन भूमि हस्तांतरण के जो प्रस्ताव शासन, नोडल एवं भारत सरकार स्तर पर लंबित हैं, उनका विभागीय अधिकारी नियमित फॉलो अप करें। जिन प्रस्तावों में आपत्तियां दर्ज की गई है, उनका त्वरित निराकरण किया जाए। क्षतिपूरक भूमि की आवश्यकता वाले प्रकरणों में भूमि उपलब्ध कराई जाए।

ऐसे मामले जिनमें संयुक्त निरीक्षण किया जाना है उनको जल्दी करें। नए प्रकरण को भी शीघ्र ऑनलाइन किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि वन, लोनिवि व अन्य सड़क निर्माण संस्थाऐं आपस में तालमेल बनाकर सड़कों का निर्माण और विकास कार्यों को जनहित में तेजी से पूरा करें। इस दौरान सभी डिविजनों में लंबित मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई, पेयजल निगम, जल संस्थान और शिक्षा के वन भूमि हस्तांतरण संबंधी कुल 71 प्रस्तावों प्रक्रिया में है। जिसमें से 35 मामले प्रस्तावक विभाग, 20 प्रभाग स्तर, 03 वन संरक्षक, 11 नोडल स्तर तथा एक तहसील स्तर पर प्रक्रिया में है। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी सर्वेश कुमार दुबे, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, एसडीओ जुगल किशोर, ईई लोनिवि आरएस चौहान, ईई जल संस्थान एसके श्रीवास्तव, वर्चुअल माध्यम से सभी एसडीएम सहित वन, लोनिवि व पीएमजीएसवाई के अन्य डिवीजनों के अधिशासी अभियंता मौजूद थे।

पर्यटक स्थलों एवं ट्रैक रूटों में विकसित होगी सुविधाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यटन विकास समिति (डीटीडीसी) की बैठक संपन्न हुई। डीएम ने बैठक में नए पर्यटन डेस्टिनेशन के चयन व विकास, विभागीय परिसंपत्तियों के संचालन एवं रख-रखाव, पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के विकास को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान जनपद में पर्यटक स्थलों एवं ट्रैक रूटों में सुविधाएं विकसित करते हुए अधिक से अधिक पर्यटन गतिविधियों का संचालन करने पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद स्तर पर गठित समिति का कार्य जिले में पर्यटन स्थलों को विकसित करने के साथ ही प्रबन्धन एवं आय को बढ़ाने के साधन उपलब्ध कराना है। उन्होंने पर्यटन विभाग को निर्देशित किया कि जनपद में संचालित पर्यटक आवास गृह, रेस्टोरेंट, पार्किंग एवं अन्य परिसंपत्तियों से निर्धारित धनराशि को डीटीडीसी में जमा कराया जाए। बृद्धबद्री मंदिर के सौन्दर्यीकरण में स्थानीय आर्किटेक्चर को प्राथमिकता देते हुए पाथवे विकास, लाइटिंग, बैंच, साइनेज के साथ पर्यटकों की सुविधा के लिए पार्किंग और अन्य मूलभूत सुविधाओं को योजना में शामिल करें। डुंग्री रतगांव से ब्रहताल, क्वार बुग्याल, सुपताल-झमताल ट्रैक पर प्राकृतिक संशाधनों से पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं जुटाई जाए। घेष-बगची बुग्याल ट्रैक मार्ग के सुदृढ़ीकरण के लिए बद्रीनाथ वन प्रभाग को धनराशि अवमुक्त की जाए। जिलाधिकारी ने देवली बगड़ में निर्मित पर्यटक आवास गृह, दुरमी ताल में साहसिक सेंटर, जिलासू में अलकनंदा किनारे निर्मित रेस्टोरेंट तथा मंडल में नवनिर्मित रेस्टोरेंट का रख रखाव करने और पर्यटन अधिकारी को समय-समय पर स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान जनपद में पर्यटक स्थलों एवं ट्रैक रूटों में सुविधाएं विकसित करते हुए अधिक से अधिक पर्यटन गतिविधियों का संचालन करने पर चर्चा की गई। बैठक में डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, सीटीओ मामूर जहां, सीओ अमित कुमार सैनी, जिला पर्यटन अधिकारी बृजेंद्र पांडेय, होटल एसोसिएशन के पदाधिकारी आदि मौजूद थे।

एक शाम किशोर दा के नाम कार्यक्रम चार को

देहरादून। श्रृंखला म्यूजिकल ग्रुप की ओर से गायक किशोर कुमार की 95वीं जयंती पर चार अगस्त को 'एक शाम किशोर दा के नाम कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें समीर अनजान समेत दून के 10 से अधिक गायक किशोर कुमार के गीतों की प्रस्तुति देंगे।

शुक्रवार को प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता के दौरान ग्रुप के अध्यक्ष पीयूष निगम ने बताया कि सर्वे चौक स्थित आइआरडीटी सभागार में होने वाले कार्यक्रम में फिल्म जगत के गीतकार समीर अनजान भी गीतों की प्रस्तुति देंगे।भारतीय साहित्य, संस्कृति, गीत, संगीत के माध्यम से हिंदी भाषा का प्रचार प्रसार, भारतीय संस्कार को आत्मसात कराना और समाज में समरसता बनाना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

आपदा के चलते श्रीकेदारनाथ धाम प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा स्थगित

देहरादून। केदारनाथ घाटी में आई आपदा के कारण कांग्रेस की श्रीकेदारनाथ धाम प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा को स्थगित कर दिया गया है। यात्रा सीतापुर तक पहुंचने के बाद स्थगित की गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के निर्देश पर कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने यात्रा स्थगित करने का शुक्रवार को फैसला लिया। तय किया कि स्थिति सामान्य होने के बाद दोबारा सीतापुर से ही यात्रा शुरू की जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में 24 जुलाई को हरिद्वार हर की पैड़ी से निकाली गई यात्रा 10 वें दिन शुक्रवार को सीतापुर तक पहुंची। कांग्रेस उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने बताया कि केदार घाटी में आई आपदा के बाद यात्रा स्थगित करने का फैसला लिया गया। सीतापुर में कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ ध्वजारोहण कर पहले आपदा में जान गंवा चुके लोगों की आत्मा की शांति के लिए मौन रखा। इसके बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अपील और निर्देश पर यात्रा स्थगित करने का विधिवत ऐलान किया। कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी केदार घाटी में आई आपदा को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने सभी से अपील की है कि केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा को स्थितियां सामान्य होने तक स्थगित कर दिया जाए। सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को आपदा राहत कार्यों में जुटने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने यात्रा में शामिल सभी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं का आभार जताया। कहा कि लगातार दस दिनों तक दो सौ किलोमीटर पैदल चल कर जिस संकल्प शक्ति का परिचय दिया गया, वह प्रशंसनीय है। हम यात्रा को इसी चरण में पूरा करना चाहते थे, लेकिन आपदा से जो स्थितियां उत्पन्न हुई हैं, उसमें हमारा पहला कर्तव्य प्रभावित लोगों की सहायता करना है।

खराब स्ट्रीट लाइटों, बदहाल सफाई व्यवस्था पर फूटा निवर्तमान पार्षदों का आक्रोश

देहरादून। दून शहर में खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत नहीं हो पाने और डोर टू डोर कूड़ा उठाने में लापरवाही को लेकर निवर्तमान पार्षदों का बुधवार को आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने नगर आयुक्त गौरव कुमार को ज्ञापन सौंपकर लापरवाही बरतने वाले कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग उठाई। नगर निगम प्रबंधन ने कंपनियों को तीन दिन के भीतर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने का अल्मेटम दिया है। जबकि स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत नहीं करवा पा रही ईईएसएल कंपनी से यह काम हटाकर किसी दूसरी कंपनी को देने की तैयारी की जा रही है। निवर्तमान पार्षद भूपेंद्र कठैत ने कहा कि सैंतालीस वार्डों में तीन कंपनियों वाटरग्रेस, इकॉन, सनलाइट ने मिलकर डोर टू डोर कूड़ा उठाने की जिम्मेदारी ली। नगर निगम ने इन कंपनियों को करोड़ों रुपये की लागत से नए सफाई वाहन खरीदकर दिए। यहां तक की अलग से मॉनीटरिंग करने के लिए हर महीने आठ लाख रुपये का बजट खर्च करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि डोर टू डोर कूड़ा नियमित रूप से नहीं उठने के लिए तीनों कंपनियों से जवाब मांगा जाना चाहिए।

सौड़ा सरोली की सड़कों के लिए दो करोड़ मंजूर

देहरादून। डोईवाला विधानसभा के सौड़ा सरोली गांव की आंतरिक सड़कों के लिए दो करोड़ चार लाख रुपये मंजूर हो गए हैं। इस बजट में गांव में करीब साढ़े किलोमीटर सड़क पर पीसी और इंटरलॉकिंग का काम किया जाएगा।डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला ने बताया कि सौड़ा सरोली में आबादी हर साल बढ़ती जा रही है। यहां लोग लंबे समय से सड़कों के निर्माण की मांग कर रहे थे। आखिरकार उनके प्रयास पर गांव की सड़कों के लिए दो करोड़ चार लाख चालीस हजार की प्रशासकीय और वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। कहा कि डोईवाला विधानसभा क्षेत्र के विकास लिए वह प्रतिबद्ध हैं। हर क्षेत्र में समग्र विकास किया जा रहा है।

आपदा प्रभावित 10 परिवारों के विस्थापन की संस्तुति

डीएम ने ली जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जनपद में आपदा प्रभावित परिवारों के विस्थापन एवं पुनर्वास को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक हुई। जिसमें ग्राम पैनगढ के आपदा प्रभावित 10 परिवारों के विस्थापन की संस्तुति के साथ प्रस्ताव शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम पैनगढ़ में आपदा प्रभावित 93 परिवारों में से 54 परिवारों का पूर्व में विस्थापन किया जा चुका है। जबकि 10 अन्य परिवारों के विस्थापन हेतु 42.50

लाख का प्रस्ताव का समिति द्वारा संस्तुति के उपरांत शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित एसडीएम को प्रभावित परिवार के पुनर्वास वाले स्थानों पर बिजली, पानी, कनेक्टिविटी सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विस्थापन एवं पुनर्वास हेतु प्रत्येक परिवार को 4 लाख भवन निर्माण, 15 हजार गौशाला निर्माण एवं 10 हजार विस्थापन भत्ता सहित 4.25 लाख की धनराशि की संस्तुति की गई। शासन से धनराशि अवमुक्त होने पर प्रभावित परिवारों धनराशि जारी की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, एसडीएम अबरार अहमद, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एनके जोशी, सहायक अभियंता एलपी भट्ट आदि उपस्थित थे।

बाल आयोग अध्यक्ष के खिलाफ काली पट्टी बांधकर पढ़ी नमाज

देहरादून। बाल संरक्षण अधिकार आयोग की अध्यक्ष के खिलाफ मुस्लिम संगठन ने शुक्रवार को काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी। उन्होंने मदरसे के खिलाफ आयोग की कार्रवाई का विरोध किया। इधर, मदरसा शिक्षकों ने भी काली पट्टी बांधकर काम किया। शहर काजी मौलाना मुहम्मद अहमद कासमी ने शुक्रवार काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ने का आह्वान किया था, जिस पर दून की मस्जिदों में नमाज के दौरान काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया गया। मुस्लिम सेवा संगठन के अध्यक्ष नईम कुरैशी ने कहा कि बाल आयोग की अध्यक्ष मदरसों को निशाना बना रही हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपाध्यक्ष आकिब कुरैशी ने कहा कि अभी शिक्षा की स्तिथि दयनीय है, बाल श्रम हो रहा हैं, बच्चे कुपोषण का शिकार हैं, पर्वतीय क्षेत्रों में बच्चों को इलाज तक नहीं मिल पा रहा है, लेकिन बाल आयोग का ध्यान इस पर नहीं है। वह सिर्फ मदरसों को टारगेट कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह वह जूते पहनकर मस्जिद और मदरसे में गई हैं, इससे मुस्लिम समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि हम शांतिपूर्वक तरीके से अपना विरोध दर्ज करवा रहे हैं, अगर भविष्य में इस तरह से जारी रहा तो आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। इधर, आजाद कालोनी के मदरसा जामियातुस्सलाम अल इस्लामिया में बाल आयोग अध्यक्ष के निरीक्षण के बाद उपजे विवाद के बाद शुक्रवार को मदरसा संचालकों और शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर काम किया। साथ ही आयोग की अध्यक्ष से माफी की मांग की।

महिला की चेन लूटी

देहरादून। शास्त्री एंक्लेव, नेहरू कॉलोनी में पैदल जा रही महिला की चेन लूट ली गई। दिन दहाड़े हुई वारदात में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शास्त्री एंक्लेव निवासी लक्ष्मी गुरुवार को अपने भाई के घर गई थी। गुरुवार दोपहर वह वहां से घर वापस लौट रही थी। करीब दो बजकर 50 मिनट पर कॉलोनी के गेट घर की तरफ 50 मीटर अंदर पैदल पहुंची।

साईं लोक कॉलोनी में बंद मकान में चोरी

देहरादून। शिमला बाईपास रोड के साईं लोक कॉलोनी स्थित बंद मकान में चोरी हो गई। चोर घर का ताला तोड़कर अंदर से नगदी और गहने चुराकर ले गए। वारदात के दौरान चोरों ने घर की अलमारी और दरवाजे भी तोड़ डाले। साईं लोक कॉलोनी में जगदीश कुमार बिष्ट का मकान है। उनका बेटा राजस्थान में रहता है। बीते 20 जुलाई को वह घर का ताला लगाकर पूरे परिवार के साथ बेटे के पास चले गए। वहां से 29 जुलाई को वापस लौटे। इस दौरान देखा तो घर का सारा सामान अस्त व्यस्त पड़ा था। अलमारी और लॉकर टूट थे। सामान चेक किया तो अलमारी में रखे सोने टाप्स, करीब 25 हजार रुपये नगदी चोरी हो गई थी। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

पुरानी पेंशन बहाली को आयुध निर्माणी गेट पर दिया धरना

देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली को लेकर आयुध निर्माणी कर्मचारियों ने एक बार फिर से हुंकार भरी है। ऑल इंडिया डिफेंस इम्पलाइज फेडरेशन की अपील पर आयुध निर्माणी गेट पर एंप्लाइज यूनियन से जुड़े कर्मचारियों ने शुक्रवार को सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक धरना दिया। धरने को संबोधित करते हुए इम्लायज यूनियन के मंत्री नंदन सिंह बिष्ट ने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार के कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाली के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जबकि, वित्त मंत्री ने बजट में सरकारी कर्मचारियों के लिए केवल एनपीएस में संशोधन की घोषणा की है। इस घोषणा में केंद्रीय कर्मचारियों के बेसिक पे में 14 प्रतिशत कटौती करने का निर्णय लिया गया है। जबकि पहले यह कटौती 10 प्रतियाशत होती थी। इसके लागू होने से केंद्रीय कर्मचारियों का वेतन कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सवोच्च न्यायालय ने भी निर्णय दिया है कि पेंशन कोई उपहार नहीं है, पेंशन कोई अनुग्रह राशि नहीं है। पेंशन नियोक्ता की मर्जी के अनुसार दी जाने वाली चीज नहीं है। यह प्रत्येक सरकारी कर्मचारी का मौलिक अधिकार है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आयुध निर्माणियों के निगमीकरण के आदेश को रद्द कर आयुध निर्माणी बोर्ड को अस्तित्व में लाया जाए। आठवें वेतन आयोग का तुरंत गठन करके एक जनवरी 2026 से लागू किया जाए। मृतक आश्रित को शत प्रतिशत भर्ती किया जाए। जोब रेट कम करना, आयुध निर्माणी से ओएलएफ में अटैचमेंट पर कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की भी उठाई।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com